दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-31 अंक-08 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) मंगलवार 11 फरवरी 2025 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

प्रयागराज महाकुंभ में चरमराई ट्रैफिक व्यवस्था, सड़कों पर रेंग रही गाड़ियां

महाकुंभ नगर(आरएनएस)। प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ के दौरान ट्रैफिक व्यवस्था बुरी तरह से चरमरा गई है। पिछले दो दिनों से शहर के बॉर्डर से लेकर आसपास के जिलों तक भीषण जाम की स्थिति बनी हुई है। जैसे-जैसे श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ रही है, वैसे-वैसे जाम की समस्या भी गहराती जा रही है और लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

प्रयागराज शहर में ट्रैफिक जाम से लोग जूझ रहे हैं। सड़कों पर गाड़ियां भी चींटी की चाल में चल रही हैं और लोगों के लिए पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। श्रद्धालुओं का कहना है कि वे कई घंटे तक जाम में फंसे रहने के बाद ही संगम तक पहुंच पाए हैं। प्रयागराज आने वाली ट्रेनों की स्थिति भी खासी खराब है, लोग ट्रेनों में भी जगह पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। दिल्ली से आए हेमंत ने बताया कि यहां हर तरफ जाम की स्थिति है। सड़क पर गाड़ियां बहुत धीरे-धीरे चल रही हैं। हमें दिल्ली से प्रयागराज आने में 15 घंटे का समय लग गया। वहीं, संतोष गुप्ता ने कहा कि सड़क पर हर तरफ जाम है। दो किलोमीटर का सफर करने में दो घंटे लग रहे हैं। ट्रेन में पांव रखने तक की जगह नहीं है, जगह-जगह ट्रेन रोक दी जा रही है। इन सब के बीच प्रशासन दावा कर रहा है कि जाम से निजात दिलाने के लिए वह प्रतिबद्ध है।बता दें कि महाकुंभ में अब तक 40 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं। इस ऐतिहासिक आयोजन में देश के विभिन्न हिस्सों से साधु-संत, राजनेता, सामाजिक कार्यकर्ता और आमजन आस्था की डुबकी लगाने पहुंच रहे हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ (मंत्रिमंडल समेत) संगम में डुबकी लगा चुके हैं।

महाराष्ट्र में बड़ी घटना, नांदेड में गुरुद्वारा के पास फायरिंग, दो लोग घायल

नांदेड(आरएनएस)। महाराष्ट्र के नांदेड में गुरुद्वारा के पास सोमवार गोलीबारी की घटना हुई। इसमें दो लोग घायल हो गए। घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, सोमवार को नांदेड में एक गुरुद्वारे के पास गोलीबारी की घटना में दो व्यक्ति घायल हो गए। दोनों तो तत्काल इलाज के लिए सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां एक व्यक्ति की हालत गंभीर बताई जा रही है।मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, गुरुद्वारा के गेट नंबर 6 के पास शहीदपुरा इलाके में तीन से चार लोगों ने दो युवकों पर कई राउंड फायरिंग की। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। जानकारी मिलने पर पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने गोलीबारी के पीछे का मकसद और इसमें शामिल लोगों की पहचान का पता लगाने के लिए मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने त्रिवेणी संगम में लगाई आस्था की डुबकी

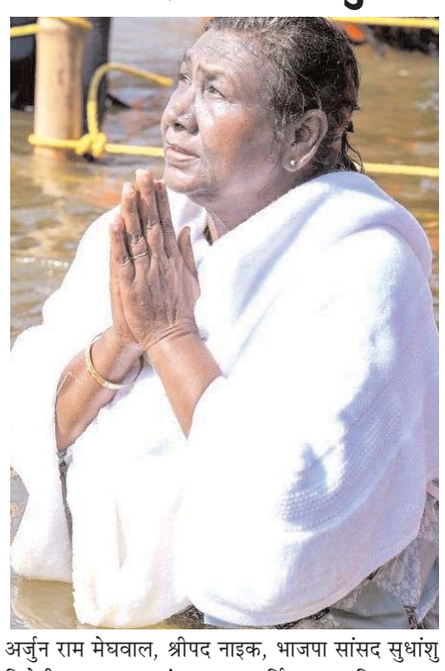

महाकुंभ नगर(आरएनएस)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने त्रिवेणी संगम में पवित्र डुबकी लगाई। स्नान के बाद राष्ट्रपति ने गंगा पूजन और आरती भी की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू , उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अरैल घाट पहुंचे थे।

देश की प्रथम नागरिक का संगम में पावन डुबकी लगाने का यह ऐतिहासिक क्षण होगा। उनकी उपस्थिति से महाकुंभ के धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व को एक नई ऊंचाई मिलेगी। इससे पहले भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने महाकुंभ में पावन स्नान किया था। ज्ञात हो कि महाकुंभ में अब तक 40 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं। इस ऐतिहासिक आयोजन में देश के विभिन्न हिस्सों से साधु-संत, राजनेता, सामाजिक कार्यकर्ता और आमजन आस्था के साथ हिस्सा ले रहे हैं। प्रयागराज का यह महाकुंभ सनातन संस्कृति की अनंत धारा को विश्व पटल पर गौरवान्वित कर रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ (मंत्रिमंडल समेत) संगम में डुबकी लगा चुके हैं। इसके अलावा प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल, हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी, मणिपुर के सीएम एन बीरेन सिंह, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, अर्जुन राम मेघवाल, श्रीपद नाइक, भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी, राज्यसभा सांसद सुधा मूर्ति, असम विधानसभा अध्यक्ष बिस्वजीत दैमारी, सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव, प्रदेश विधानसभा में विपक्ष के नेता माता प्रसाद पांडे भी पवित्र स्नान कर चुके हैं।

तिरुपति मंदिर लड्डू विवाद में एसआईटी ने 4 लोगों को पकड़ा, टेंडर देने के साथ ही शुरु हो गई थी गड़बड़ी

तिरुपति (आरएनएस)। तिरुपति मंदिर के प्रसिद्ध लड्डुओं में पशु चर्बी की मिलावट के आरोपों के बाद गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चार लोगों को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारियां तिरुपति

मंदिर के लड्डुओं में कथित मिलावट के मामले में हुई हैं, जिसने पिछले साल देशव्यापी आक्रोश को जन्म दिया था।गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान भोले बाबा डेयरी के पूर्व निदेशकों विपिन जैन और पोमिल जैन, वैष्णवी डेयरी के अपूर्व चावड़ा और एआर डेयरी के राजू राजशेखरन के रूप में हुई है। अधिकारियों के अनुसार, ये सभी गिरफ्तार व्यक्ति विभिन्न डेयरी फर्मों से जुड़े हैं और उन पर मंदिर को पशु चर्बी युक्त घी की आपूर्ति में शामिल होने का आरोप है।एसआईटी सूत्रों ने बताया कि जांच में घी आपूर्ति श्रृंखला के हर चरण में अनियमितताएं पाई गईं, जिसके कारण यह गिरफ्तारियां हुईं। आरोप है कि वैष्णवी डेयरी ने एआर डेयरी के नाम से मंदिर को घी आपूर्ति करने का ठेका हासिल किया और निविदा प्रक्रिया में हेराफेरी करने के लिए फर्जी रिकॉर्ड भी बनाए।

किसानों का नया ऐलान, 14 को केंद्र से वार्ता सफल न हुई तो 25 को दिल्ली कूच करेंगे

राजपुरा (आरएनएस)। शंभू बैरियर पर आज प्रैस वार्ता को संबोधित करते हुए किसान नेता सरवण सिंह पंधेर ने कहा कि अगर 14 फरवरी को केंद्र से बातचीत सफल न हुई तो 25 फरवरी को फिर से दिल्ली कूच किया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसानों द्वारा लगाए गए मोर्चे को 1 साल पूरा होने वाला है। इसलिए 11 फरवरी को रतनपुरा, 12 फरवरी को खनौरी एवं 13 फरवरी को शंभू बैरियर पर विशाल जनसमूह एकत्र किया जाएगा।उन्होंने सभी किसानों को पहुंचने की अपील करते हुए कहा कि तीनों फोरमों की जल्द ही बैठक बुलाई जा सकती है। किसान नेताओं ने संयुक्त मोर्चे को भेजे गए पत्र के बारे में कहा कि अगर किसी प्रकार के मतभेद हैं तो उसके लिए एक कोआर्डिनेशन कमेटी का गठन किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हमारी तरफ से जो पत्र लिखा गया है कि एसकेएम स्पष्ट करे कि किन मांगों पर सहमति की जानी है।

हमारी सरकार का संकल्प है हर हाथ को काम, हर खेत को पानी: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

1.27 करोड़ लाड़ली बहनों के खाते में अंतरित किए 1553 करोड़ रूपए

भोपाल(आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को देवास के सोनकच्छ के ग्राम पीपलरांवा से एक करोड़ 27 लाख लाड़ली बहनों के खाते में 1553 करोड़ रूपए, 56 लाख सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों के खाते में 337 करोड़ रूपए और 81 लाख किसानों के खाते में 1624 करोड़ रूपये सिंगल क्लिक से अंतरित किये। उन्होंने कार्यक्रम में 144.84 करोड़ रूपये लागत के 53 कार्यों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण भी किया।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रंजीत सागर परियोजना से आस-पास के गांवों को सिंचाई के लिए पानी मिलेगा। क्षेत्र में हरियाली छायेगी और किसान समृद्ध होगा। उन्होंने कहा कि कि पारस पत्थर से लोहा भी सोना बन जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हर खेत को पानी और बिजली की सुविधा मिले तो किसान समृद्धशाली होंगे और फसलरूपी सोना जरूर मिलेगा।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी और बिजली उपलब्ध करा रही है। हमारे पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेई ने 20 वर्ष पहले जो नदी जोड़ो का सपना देखा था आज वह प्रदेश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूरा हो रहा है। प्रधानमंत्री ने हमें केन-बेतवा लिंक योजना के लिए 1 लाख करोड रुपए दिए हैं। इस योजना से पूरे बुंदेलखंड क्षेत्र की तस्वीर बदल जाएगी। एक अन्य 70 हजार करोड रुपए की पार्वती-कालीसिंध-चंबल योजना पर भी कार्य शुरू हुआ है। प्रदेश के प्रत्येक के गांव, एक-एक खेत तक पानी पहुंचाया जाएगा। इस बार किसानों के लिए गेहूं का समर्थन मूल्य होगा 2600 रूपए होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार का उद्देश्य हर हाथ को काम और हर खेत को पानी देना है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार गरीबों, किसानों, युवाओं एवं महिलाओं की बेहतरी के लिए लगातार काम रही है। मध्यप्रदेश सरकार का संकल्प है कि प्रदेश में प्रत्येक युवा को रोजगार मिले, इसके लिए इन्वेस्टर्स समिट कर उद्योगपतियों को आमंत्रित किया जा रहा है। युवाओं को रोजगार देकर दुनिया में भारत का मान बढ़ाना और मध्यप्रदेश को अग्रणी राज्य बनाना हमारा उद्देश्य है। प्रदेश में महिलाओं, किसानों और सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों के कल्याण के लिए प्रदेश में आगे बढ़कर कार्य किया जा रहा है। आज के समारोह में 1 लाख 27 करोड़ लाड़ली बहनों, 56 लाख सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों, 81 लाख किसानों को 2054 करोड़ रूपये से अधिक की राशि सिंगल क्लिक से प्रदान की गई। प्रदेश सरकार योजनाओं के संचालन में कोई कमी नहीं रहने देगी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के साथ, प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ मेला 2025 के दौरान बड़े हनुमान मंदिर में अनुष्ठान करती हुई।

सुप्रीम कोर्ट ने वन क्षेत्रों में पेड़ों की कटाई पर लगाई रोक

-सरकार की दलील को किया खारिज

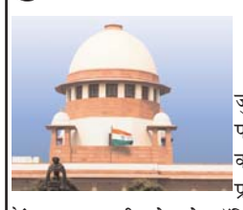

नई दिल्ली (ए)। सुप्रीम कोर्ट ने वन संरक्षण कानून 2023 में संशोधन से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए देशभर के वन क्षेत्रों में पेड़ों की कटाई पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। अदालत ने कहा कि जब तक संशोधनों की पूरी समीक्षा नहीं हो जाती, तब तक केंद्र और राज्य सरकारें किसी भी प्रकार की कटाई की अनुमति नहीं दे सकतीं।सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने तर्क दिया कि 2023 का संशोधन वन संरक्षण को और मजबूत करने के लिए किया गया है। लेकिन याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि इन संशोधनों से विकास परियोजनाओं के नाम पर जंगलों में पेड़ों की अंधाधुंध कटाई बढ़ सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल याचिकाकर्ताओं की दलील को तवज्जो देते हुए केंद्र और राज्य सरकारों को कोई भी नया कदम उठाने से रोक दिया है।अब सरकार को किसी भी परियोजना के लिए वन क्षेत्र में पेड़ काटने से पहले सुप्रीम कोर्ट से अनुमति लेनी होगी। यह आदेश केंद्र और राज्य सरकारों के लिए बाध्यकारी रहेगा।

भारत के टुकड़े-टुकड़े करने के लिए खर्च किए गए करोड़ों रुपए', बीजेपी सांसद के आरोप से हड़कंप

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। झारखंड के गोड्डा लोकसभा सीट से सांसद निशिकांत दुबे ने सोमवार को संसद में यूएसएआईडी द्वारा गांधी परिवार और कांग्रेस पार्टी से जुड़े ट्रस्टों को फंडिंग देने के मामले को उठाया। इसके साथ ही उन्होंने सरकार से इस पूरे मामले में जांच की मांग की। इस दौरान कांग्रेस के सांसदों ने जमकर नारेबाजी की।निशिकांत दुबे ने कहा कि अमेरिका में सत्ता परिवर्तन के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूएसएआईडी को पूरी तरह से बंद कर दिया है। उन्होंने इसके पीछे का कारण बताया कि यूएसएआईडी वर्षों से केवल विभिन्न सरकारों को गिराने के लिए पैसा खर्च करती रही है और भारत के लिए इसके आंकड़े बहुत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने संसद में सरकार और विपक्ष से कई सवाल पूछे। दुबे ने प्रमुखता से पूछा कि क्या यूएसएआईडी ने ओपन सोसाइटी फाउंडेशन और जॉर्ज सोरोस को भारत में राजीव गांधी फाउंडेशन और राजीव गांधी चैरिटेबल ट्रस्ट को पैसे दिए थे।

तीसरी आंख

पंजाब की गाय ने तोड़ दिए नेशनल रिकॉर्ड, 24 घंटे में दिया 82 लीटर दूध

लुधियाना(आरएनएस)। पंजाब की गाय ने 24 घंटे में 82 लीटर दूध देकर कई नेशनल रिकार्ड तोड़ दिए है। जगराओं की पशु मंडी में आयोजित 18वें तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय पीडीएफए डेयरी और एग्री एक्सपो में करवाए गए पशु मुकाबलों में इस गाय ने रिकार्ज तोड़ दिए।

इन मुकाबलों को लेकर पीडीएफए के प्रेस सचिव रेशम सिंह भुल्लर ने बताया कि मोगा के गांव नूरपुर हकीमा के ओंकार डेयरी फार्म के हरप्रीत सिंह की एचएफ नस्ल की गाय ने 24 घंटे (तीन बार दूध दोहने) में 82 लीटर दूध देकर नेशनल रिकॉर्ड तोड़कर पहले स्थान हासिल किया। पटियाला के गांव पालिया खुर्द के अगरदीप सिंह की गाय ने 78.570 लीटर दूध देकर दूसरा और लुधियाना के गांव कुलार के संधू डेयरी फार्म की गाय ने 75.690 लीटर दूध देकर तीसरा स्थान हासिल किया। हरप्रीत सिंह ने बताया कि 2024 में भी उनके फार्म की एचएफ नस्ल की गाय ने साढ़े 74 लीटर दूध देकर नेशनल रिकॉर्ड तोड़ा था।वहीं, एचएफ चार दांत मुकाबले में मोगा के घोलिया खुर्द के बराड़ डेयरी फार्म की गाय ने 62.250 किलोग्राम दूध देकर पहला, रोपड़ के गांव मोरलीयां कलां के सतिंदर सिंह की गाय ने 56.452 किलोग्राम दूध देकर दूसरा और पटियाला के पालियां खुर्द के तरनवीर सिंह की गाय ने 55.290 किलोग्राम दूध देकर तीसरा स्थान हासिल किया। इसके साथ एचएफ दो दांत गाय के दूध दोहन मुकाबले में पटियाला के पालियां खुर्द के तरनवीर सिंह की गाय ने 55.552 किलोग्राम दूध देकर पहला, फिरोजपुर के गांव लहरा बेट के प्रवीण सिंह की गाय ने 54.952 किलोग्राम दूध देकर दूसरा, लुधियाना के गांव कुलार के सिंदूरी फार्म की गाय ने 50.752 किलो दूध देकर तीसरा स्थान प्राप्त किया।

भारी विरोध के बाद ममता कुलकर्णी ने महामंडलेश्वर पद से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली(आरएनएस)। पूर्व बॉलीवुड एक्ट्रेस ममता कुलकर्णी ने किन्नर अखाड़े में अपने महामंडलेश्वर के पद से इस्तीफा देने का ऐलान कर दिया है. उन्हें ये पद दिए जाने के बाद किन्नर अखाड़े में भारी विरोध हुआ, जिसके बाद उन्होंने ये फैसला लिया है. उन्होंने एक वीडियो जारी करते हुए इसकी घोषणा की है.ममता कुलकर्णी पर ये आरोप लगा था कि उन्होंने 10 करोड़ रुपये देकर ये पद लिया है. इसी वजह से अखाड़े में ही उनका विरोधा शुरू हो गया था. उन्हें पद से हटाए जाने की भी बात सामने आई थी. हालांकि, अब उन्होंने खुद अपना पद छोड़ने की बात कही है।

सामने आए वीडियो में ममता कहती हैं, मैं महामंडलेश्वर यमाई माता गिरि इस पोस्ट से इस्तीफा दे रही हूं।

अखाड़े में मुझे महामंडलेश्वर घोषित करने को लेकर दिक्कतें हो रही हैं. मैं एक साध्वी थी 25 साल से और मैं साध्वी ही रहूंगी. उन्होंने ये भी कहा कि उन्हें सम्मान दिए जाने से कुछ लोगों को आपत्ति हो रही थी.उन्होंने कहा, मैंने 25 साल पहले बॉलीवुड छोड़ा. फिर अपने आप गायब रही. वरना बॉलीवुड से, मेकअप से इतना दूर कौन रहता है. कुछ समय पहले उन्होंने ऐसा भी दावा किया था कि जब उन्होंने बॉलीवुड छोड़ा तो उस समय उनके खाते में ढेरों फिल्में थीं, लेकिन उन्होंने बॉलीवुड से दूरी बना ली.

25 साल बाद लौटीं भारत

बॉलीवुड छोड़ने के बाद ममता दुबई में रह रही थीं. पिछले साल के आखिर में वो 25 सालों के बाद दुबई से भारत वापस आईं. वहीं फिर नया साल शुरू होते ही उन्होंने संन्यास लेने का ऐलान कर दिया. प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ के दौरान उन्होंने किन्नर अखाड़े से दीक्षा ली और संन्यासी बन गईं. महामंडलेश्वर डॉक्टर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी द्वारा उनका पिंडदान और पट्टाभिषेक हुआ था. उन्हें महामंडलेश्वर का पद दिया गया था. हालांकि, फिर कुछ दिनों बाद ही उनका विरोध होने लगा था और अब उन्होंने इस्तीफा देने का ऐलान कर दिया।

अखिलेश यादव का बयान

प्रयागराज महाकुंभ में भाजपा सरकार की विफलता पर कड़ी प्रतिक्रिया

लखनऊ (आरएनएस)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने प्रयागराज महाकुंभ में हो रही असुविधाओं और श्रद्धालुओं की परेशानियों को लेकर भा.ज.पा. सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि लाखों श्रद्धालु महाकुंभ में आने-जाने के दौरान जिन समस्याओं का सामना कर रहे हैं, वह भा.ज.पा. सरकार की नाकामी को उजागर करती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार को महाकुंभ में हुई भगदड़ और दुर्घटनाओं में जान गंवाने वाले श्रद्धालुओं के परिवारों को 50-50 लाख रूपये का मुआवजा देना चाहिए।अखिलेश यादव ने महाकुंभ में यातायात व्यवस्था की खस्ता हालत को लेकर चिंता व्यक्त की और कहा कि प्रयागराज महाकुंभ के रास्तों पर लाखों लोग घंटों तक जाम में फंसे हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि महिलाओं के लिए विशेष स्थान नहीं है, लोगों की देखभाल का कोई इंतजाम नहीं है, और मोबाइल की बैटरियां खत्म हो जाने के कारण श्रद्धालुओं का संपर्क टूट गया है।

जिससे स्थिति और भी चिंताजनक हो रही है।यादव ने कहा कि प्रशासन और सरकार की नाकामी के कारण किसी भी जिम्मेदार मंत्री या व्यक्ति का कहीं पता नहीं है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री और अन्य प्रमुख मंत्री पूरी तरह से नदारद हैं, जबकि सिर्फ सिपाही और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी दिन-रात काम कर रहे हैं। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि महाकुंभ के दौरान उत्तर प्रदेश में वाहनों को टोल-फ्री किया जाना चाहिए, ताकि यात्रा की बाधाएं कम हो सकें और जाम की समस्या हल हो सके।

अंग दान है कई लोगों को जीवन देने का पुनीत कार्य : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

राज्य सरकार करेगी अंग प्रत्यारोपण, अंग दान और देह दान जैसी गतिविधियों को प्रोत्साहित
अंग दान की पूर्व सूचना देने वालों को राष्ट्रीय पर्व पर किया जाएगा सम्मानित

भोपाल(निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एम्स भोपाल में हुए मध्य भारत के पहले हार्ट ट्रांसप्लांट से पुनर्जीवन प्राप्त करने वाले मरीज दिनेश मालवीय से उनकी कुशलक्षेम पूछी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस उपलब्धि के लिए एम्स भोपाल की टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि गत दो वर्ष से श्री मालवीय हृदय रोग से पीड़ित थे। उपचार से मिली राहत से श्री मालवीय प्रसन्न है। अंगदान किस प्रकार लोगों को जीवन देने का माध्यम बनता है, यह ट्रांसप्लांट इस तथ्य को स्पष्टतः दर्शाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि नर्मदापुरम निवासी श्री मालवीय 22 जनवरी को एम्स भोपाल में भर्ती हुए और 23 जनवरी को उनका हार्ट ट्रांसप्लांट किया गया। अब वे पूर्णतः स्वस्थ है, संभवतः कल तक उन्हें डिस्चार्ज कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एम्स के डॉक्टरों व संपूर्ण टीम को उत्कृष्ट कार्य के लिए बधाई देते हुए कहा कि मानवता की सेवा के लिए टीम द्वारा किया गया कार्य प्रदेश को गौरवांवित करने वाला है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्तमान युग में अंग प्रत्यारोपण, अंग दान, देह दान जैसी गतिविधियों को प्रोत्साहित करना आवश्यक है। एक देह दान से लगभग 9 डॉक्टर्स को चिकित्सा संबंधी कई बारीकियों को व्यावहारिक रूप से सीखने में सहायता मिलती है। चिकित्सा शिक्षा के उद्देश्य से मेडिकल कॉलेजों के साथ आयुर्वेदिक महाविद्यालयों में भी पार्थिक देह की आवश्यकता होती है। राज्य शासन द्वारा देह दान के लिए परिवारों में जागरूकता लाने और उन्हें इस पुनीत कार्य के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण निर्णय लिए जा रहे हैं। देह दान की पूर्व सूचना देने वालों को राज्य शासन की ओर से सम्मानित किया जाएगा। अंतिम संस्कार के लिए गृह विभाग से समन्वय कर उपयुक्त व्यवस्था की जाएगी। अंग दान की पूर्व सूचना देने वाले व्यक्तियों को 15 अगस्त और 26 जनवरी जैसे राष्ट्रीय पर्वों पर सम्मानित किया जाएगा। ऐसे जिन व्यक्तियों के पास अनुष्मान कार्ड नहीं हैं, उनके आयुष्मान कार्ड बनवाए जाएंगे। प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेज में अंग दान और अंग प्रत्यारोपण की स्थिति बने इस उद्देश्य से आवश्यक प्रयास किए जाएंगे।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लोक स्वास्थ्य, राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इस उद्देश्य से ही लोक स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग का एकीकरण किया गया। प्रदेश के विस्तृत भौगोलिक क्षेत्र को देखते हुए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के समान ही राज्य शासन द्वारा भी आयुर्विज्ञान संस्थान विकसित किया जाएगा।

राज्य शासन द्वारा रोगियों को तत्काल स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए पीएमश्री एयर एंबुलेंस सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। जिन स्थानों पर हवाई पट्टियां हैं वहाँ विमान से और जहाँ हवाई पट्टियां नहीं है वहाँ हेलीकॉप्टर के माध्यम से मरीजों को चिकित्सा संस्थानों में भेजने की व्यवस्था की जा रही है। गंभीर स्थिति के मरीजों के उपचार में समय महत्वपूर्ण होता है, एयर एंबुलेंस सेवा से कम से कम समय में मरीज को उपयुक्त इलाज उपलब्ध कराना संभव हुआ है। एयर एंबुलेंस से प्रतिदिन जीवन रक्षा के उदाहरण सामने आ रहे हैं। एयर एंबुलेंस से एयर लिफ्ट करने में सामान्यतः 5 से 8 लाख रुपए का व्यय होता है।

विविध-समाचार

स्कूल बस की टक्कर से बीएससी छात्रा की मौत

भोपाल(ए)। निशातपुरा इलाके में तेज रफ्तार स्कूल बस ने स्कूटी सवार बीएससी छात्रा को टक्कर मार दी। घटना में गंभीर रुप से घायल युवती को इलाज के लिये निजी अस्पताल पहुंचाया गया था जहां कुछ घंटे चले इलाज के बाद उसने दम तोड़ दिया। पुलिस के मुताबिक शंकर नगर में रहने वाली नम्रता अहिरवार पुत्री गनपत सिंह (23) बीएससी की छात्रा थी, साथ ही गांधी नगर में प्रायवेट जॉब करती थी। रविवार शाम करीब साढ़े पांच बजे वह स्कूटी से करोंद होते हुए गांधी नगर की ओर जा रही थी। शाम करीब पॉच बजे एलेस्की गार्डन के सामने उसे बंसल स्कूल कीतेज रफ्तार बस के चालक ने लापरवाही पूर्वक बस चलाते हुए नम्रता के दो पहिया वाहन को टक्कर मार दी। बस की चपेट में आने से बुरी तरह घायल होने पर उसे नाजूक हालत में इलाज के लिये पास के एक निजी अस्पताल पहुंचाया गया। वहॉ उसे भर्ती कर उपचार शुरु किया गया। इलाज के दौरान रात करीब 9 बजे उसने दम तोड़ दिया। अस्पताल से सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है।

सबनानी ने कमला नेहरु स्कूल में बच्चों के साथ सूना परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम

भोपाल (आरएनएस)। वार्षिक परीक्षा का समय नजदीक आते ही विद्यार्थियों में परीक्षा को लेकर मानसिक तनाव बढ़ जाता है, और परीक्षा में बेहतर से बेहतर प्रदर्शन को लेकर तनाव कब उनके दिल में घर कर जाता है इसका पता ही नहीं चलता। इसी तनाव को कम करने और बच्चों को सहज होकर अपनी परीक्षाओं की तैयारी में किस प्रकार समय का सही उपयोग कर परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन किया जा सकता है को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने महत्वपूर्ण कार्यक्रम परीक्षा पे चर्चा को सोमवार विद्यार्थियों संग चर्चा की और उन्हें परीक्षाओं में तनाव कम करके बेहतर अंक लाने के लिए क्या आवश्यक है इसका मंत्र दिया। राजधानी की दक्षिण-पश्चिम विधानसभा के अंतर्गत कमला नेहरू हायर सेकेंडरी स्कूल में भी कार्यक्रम का लाइव प्रसारण देखा गया। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी ने स्कूल के विद्यार्थियों संग परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम को देखा एवं विद्यार्थियों से संवाद कर परीक्षा के तनाव को कैसे काम किया जाता है पर चर्चा की, और कई विद्यार्थियों के प्रश्नों के उत्तर भी दिए।इस अवसर पर सबनानी ने स्कूल के विद्यार्थियों से कहा की परीक्षा के समय अपने मन में किसी भी प्रकार का भय नहीं रखना चाहिए और अपनी मेहनत पर भरोसा कर अपनी तैयारी को आगे बढ़ना चाहिए, समय का सही उपयोग हो सके इसके लिए एक अच्छा टाइम टेबल बनाएं और उसके अनुसार अपनी दिनचर्या का समय का अधिक से अधिक उपयोग पढ़ाई के लिए करें, पर पढ़ाई के साथ ही थोड़ा समय रिलैक्स होने के लिए भी अपने पास रखें और अपने खान-पान के साथ ही अपनी नींद का भी पूरा ध्यान रखें, और इस महत्वपूर्ण समय में सोशल मीडिया से पूरी तरह दूरी बना लें, आपकी की गई मेहनत ही आपको बेहतर से बेहतर परिणाम दिला सकती है और आपके आत्मविश्वास में भी वृद्धि करती है इसलिए स्वयं पर विश्वास रखें और पूरी लगन के साथ पढ़ाई करें।

सीएम हेल्पलाइन पर लंबित शिकायतों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण करें-सीईओ तिवारी

भोपाल (आरएनएस)। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह के निर्देशन में सीईओ जिला पंचायत इला तिवारी ने समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन पर लंबित शिकायतों को प्राथमिकता से निराकरण करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने आगामी समाधान ऑनलाइन के लिए चिन्हित विषयों की समीक्षा की एवं लंबित शिकायतों के संतुष्टिपूर्वक निराकरण करने के लिए निर्देशित किया। सीईओ इला तिवारी ने आज कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में ये निर्देश दिए। बैठक में एडीएम अंकुर मेश्राम, प्रकाश नायक, एसडीएम एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जाम में फंसे श्रद्धालुओं को भोजन, पानी और आवास सुविधा मुहैया कराने के दिए निर्देश

भोपाल(आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रयागराज का जो क्षेत्र मध्यप्रदेश से सटा हुआ है, विशेष रूप से रीवांचल इलाका, यहां से अन्य राज्यों के श्रद्धालु बड़ी संख्या में महाकुंभ पहुंच रहे हैं। इसलिए वाहनों के आवागमन से सड़कों पर यातायात का कुछ दबाव बना हुआ है। राज्य सरकार एवं स्थानीय प्रशासन सभी श्रद्धालुओं के संपर्क में है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महाकुंभ यात्रा पर निकले श्रद्धालुओं से अपील की है कि स्थिति सामान्य होने तक वे एक-दो दिन इस मार्ग से आगे बढ़ने से बचें। महाकुंभ श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा है, उससे व्यवस्थाओं को बनाने में चुनौतियां सामने आ रही हैं। इनसे निपटने के लिए मध्यप्रदेश सरकार पूरी तरह से तैयार है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिला प्रशासन को निर्देश दिये हैं कि सीमा क्षेत्रों में जहां भी जाम है, वहां यात्रियों के लिए पानी, भोजन और आवास व्यवस्थाएं सुनिश्चत हो।मुख्यमंत्री ने मीडिया को जारी संदेश में मध्यप्रदेश से प्रयागराज जाने वाले सभी यात्रियों का स्वागत करते हुए कहा कि श्रद्धालु महाकुंभ जाने से पहले पूछताछ कर सुनिश्चित कर लें, कि आगे का रास्ता क्लीयर है या नहीं। यदि जाम की स्थितियां न हो, तभी आगे बढ़ें।

सीएम हेल्पलाइन पर लंबित शिकायतों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण करें - सीईओ श्रीमती तिवारी

भोपाल(आरएनएस)। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह के निर्देशन में सीईओ जिला पंचायत श्रीमती इला तिवारी ने समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन पर लंबित शिकायतों को प्राथमिकता से निराकरण करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने आगामी समाधान ऑनलाइन के लिए चिन्हित विषयों की समीक्षा की एवं लंबित शिकायतों के संतुष्टिपूर्वक निराकरण करने के लिए निर्देशित किया।सीईओ श्रीमती इला तिवारी ने आज कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में ये निर्देश दिए। बैठक में एडीएम श्री अंकुर मेश्राम, श्री प्रकाश नायक, एसडीएम एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में समय-सीमा अंकित पत्रों का निराकरण करने तथा आगामी बैठक में प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। सीईओ श्रीमती तिवारी ने ई-ऑफिस कार्य प्रणाली के लिए सभी जिले अधिकारियों को सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों की जानकारी जिला ई-गवर्नेंस सोसायटी भोपाल पर अनिवार्य रूप से प्रेषित करने के निर्देश दिए।सीईओ श्रीमती तिवारी ने भिक्षावृत्ति को रोके जाने एवं चिन्हित लोगों को आश्रय स्थल कोलार प्रतिस्थापित करने के लिए गठित दल को कारवाही करने के लिए निर्देशित किया। सीईओ श्रीमती तिवारी ने समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में अनुपस्थित अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

खराब सड़कों के विरोध में श्रमिक संगठन ने रोपे बेशर्म के पौधे

भोपाल (आरएनएस)। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) से ठीक पहले खराब सड़कों को लेकर विरोध प्रदर्शन हुआ। कांग्रेस समर्थित संगठन के श्रमिक नेता दीपक गुप्ता के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन में पूर्व मंत्री पीसी शर्मा समेत कई नेता शामिल हुए।

प्रदर्शनकारियों ने पिपलानी पेट्रोल पंप से महात्मा गांधी चौराहे तक की जर्जर सड़क पर बेशर्म के पौधे रोपकर विरोध जताया। उनका कहना था कि 24-25 फरवरी को होने वाले जीआईएस में दुनियाभर के मेहमान भोपाल आएंगे, लेकिन शहर की सड़कों की स्थिति अत्यंत खराब है। आए दिन लोग गड्ढों में गिरकर चोटिल हो रहे हैं। इस विरोध प्रदर्शन में रामपाल धोसले, अशोक शर्मा, महेंद्र विश्वकर्मा, कुनाल गजभिए, लोकेंद्र शर्मा, सतीश कनोजिया, सुशील प्रजापति, उपेंद्र सिंह और वीरु लाहौरी सहित सैकड़ों लोगों ने भाग लिया। प्रदर्शनकारियों ने सरकार से जल्द से जल्द सड़कों की मरम्मत कराने की मांग की।

दलित स्कूली छात्रा को कमरे मे बंधक बनाकर युवक ने किया दुष्कर्म

भोपाल(ए)। देहात इलाके के सूखी सेवनिया थाना क्षेत्र में आरोपी युवक द्वारा आठवीं कक्षा की दलित छात्रा को अगवा कर कमरे में बंधक बनाकर ज्यादती किये जाने की घटना सामने आई है। घटना करीब दो सप्ताह पहले की है, आरोपी ने नाबालिग को धमकी दी थी कि यदि उसने किसी से शिकायत की तो वह उसे मार डालेगा। इस कारण पीड़िता चुप रही बीते दिनो आरोपी फिर से नाबालिग पर संबंध बनाने का दबाव डालने लगा जिसके बाद छात्रा ने सारी बात अपने परिजनों को बताई और मामला थाने पहुंच गया। थाना पुलिस के अनुसार सूखी सेवनिया क्षेत्र के एक गॉव में रहने वाली 14 वर्षीय दलित किशोरी स्कूली छात्रा हैं। उसके गॉव में ही आरोपी राहुल भी रहता है, एक ही गांव में रहने के कारण किशोरी की राहुल से जान पहचान थी, और उनके बीच बातचीत भी होती थी। आरोप है कि बीती 25 जनवरी को शाम करीब साढ़े पांच बजे आरोपी बहला-फुसलाकर नाबालिग को अपने साथ ले एक कमरे में ले गया। और वहॉ उसके साथ दुष्कर्म कर डाला। ज्यादती के बाद आरोपी ने उसे समाज में बदनाम करने सहित मारने की धमकी देकर छोड़ दिया।

आरोपी की धमकी के डर से नाबालिग ने परिजनों को उसकी करतूत नहीं बताई। उसके चुप रहने से आरोपी की हिम्मत बढ़ गई और वह दोबारा छात्रा पर संबध बनाने का दबाव डालते हुए परेशान करने लगा। तंग आकर किशोरी ने परिजनों को सारी बात बताई, परिवार वाले उसे थाने लेकर पहुंच गये। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म,पॉक्सो, अजाजजा सहित अन्य धाराओ में मामला कायम कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

इंटीग्रेटेड प्रोजेक्ट मैनेजमेंट सिस्टम को शीघ्र क्रियान्वित करें : मंत्री श्री सिंह

तीन चरणों में किया जायेगा क्रियान्वयन,प्रथम चरण फ़रवरी अंत तक होगा पूर्ण

भोपाल(निप्र)लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने मध्यप्रदेश में सड़क और भवन परियोजनाओं के सुचारू संचालन और पारदर्शी निगरानी के लिए इंटीग्रेटेड प्रोजेक्ट मैनेजमेंट सिस्टम (आईपीएमएस) के क्रियान्वयन की प्रगति की विस्तार से समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि आईपीएमएस के प्रथम चरण को फरवरी 2025 के अंत तक, द्वितीय चरण को मई 2025 तक और तृतीय चरण को जुलाई 2025 तक पूर्ण किया जाए। मंत्री श्री सिंह ने निर्देश दिए कि वर्तमान वित्तीय वर्ष का बजट मार्च 2025 में सचिवालय स्तर पर आईपीएमएस के माध्यम से ही संसाधित किया जाए।गत वर्ष लोक निर्माण विभाग का कार्य भार संभालने के बाद मंत्री श्री सिंह ने इंटीग्रेटेड प्रोजेक्ट मैनेजमेंट सिस्टम को प्राथमिकता पर लागू करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद अगस्त 2024 को इंटीग्रेटेड प्रोजेक्ट मैनेजमेंट सिस्टम के लिए क्रियान्वयन एजेंसी का चयन किया गया।

नई तकनीक और सहकारिता से होगा किसानों का उत्थान- मंत्री श्री सारंग

एफपीओ को मजबूत बनाना किसानों की आत्मनिर्भरता की कुंजी : मंत्री श्री कुशवाह
कृषि क्रांति 2025 एफपीओ कॉन्क्लेव में दिये गये कृषि रत्न सम्मान

भोपाल (निप्र)। सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि नई तकनीक और सहकारिता से किसानों का उत्थान होगा। खेत, खलियान और किसान सरकार की प्राथमिकता है। विकसित भारत की परिकल्पना में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। इन तीनों के उन्नयन और उत्थान की दिशा में सामूहिक रूप से काम करने से ही देश विकसित हो पाएगा, सरकार इस दिशा में प्रयासरत है। मध्यप्रदेश ने कृषि क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। इससे प्रोडक्शन में रिकॉर्ड दर्ज किया और 7 बार लगातार कृषि कर्मण अवार्ड भी मिला। मंत्री श्री सारंग सोमवार को नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी के स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित कृषि क्रांति 2025 एफपीओ कॉन्क्लेव को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह भी उपस्थित थे। मंत्री से सारंग ने कहा कि मध्यप्रदेश ने कृषि को उन्नत बनाने हर क्षेत्र में काम किया है। किसानों को फसल का सही मूल्य मिल सके, समय पर उपार्जन सहित खाद, बीज, पानी मिल सके इसका ध्यान रखा गया है। अब किसान को व्यवसायी के रूप में परिवर्तन करना सरकार का मुख्य काम है और यह केवल सहकारिता के माध्यम से ही हो सकता है। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि किसानों को एफपीओ के माध्यम से ऑर्गेनिक खेती से जोड़ना होगा, जिससे उपभोक्ताओं का स्वास्थ्य भी ठीक रहेगा। एफपीओ को किसानों को जागरूक करना होगा। सरकार एफपीओ को हर तरह की सुविधा देने को तैयार है। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष- 2025 में हर पंचायत में पैक्स के माध्यम से सहकार सभा होगी। इसमें भी एफपीओ जोड़कर किसान को सरकार से समृद्धि की ओर ले जा सकते हैं।

एफपीओ कॉन्क्लेव से सहकार की भावना मजबूत होगी

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि एफपीओ कॉन्क्लेव से सहकार की भावना मजबूत होगी। सहकारिता मानव स्वभाव का मूलभूत आधार है.सहकारिता के बिना इस समाज की परिकल्पना नहीं की जा सकती। आज के समय में सहकारिता के माध्यम से नई-नई तकनीक से जोड़ना, फूड प्रोसेसिंग आदि पर काम करना, खेती में वैल्यू एडिशन करने की आवश्यकता हैं, जिससे अच्छे परिणाम आए इसमें सरकार सहायता देने को तैयार है। उन्होंने कहा कि सरकार के साथ समाज जनता सहकारी संस्थाओं एफपीओ सब मिलकर काम करें, इस दिशा में कार्य करने के लिए सरकार प्रदेश के उन्नयन के लिए तत्पर है।

खाद्य प्र-संस्करण से किसानों की आत्मनिर्भरता

उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि एफपीओ और खाद्य प्र-संस्करण को मजबूत बनाना किसानों की आत्मनिर्भरता की कुंजी है। उन्होंने फसल विविधीकरण और कृषि आधारित उद्योगों को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया। साथ ही, उन्होंने घोषणा की कि राज्य सरकार जल्द ही एक विशाल फूड प्रोसेसिंग सम्मेलन का आयोजन करेगी, जिसमें किसानों, उद्यमियों, क्रेताओं और विक्रेताओं को एक मंच पर लाया जाएगा। मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि किसान की आय दोगुना करने के लिये चल रहे कार्यों से फसलों का मूल्य अच्छा मिल सकेगा और उसका संवर्धन हो सकेगा। आत्मनिर्भर भारत बनाने में किसानों का बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश मसाला उद्योग में एक नम्बर पर है। सरकार अलग-अलग योजनाओं से किसानों की उत्थान की दिशा में काम कर रही है। उद्यानिकी विभाग के पोर्टल पर नये किसानों को रजिस्टर करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। विकसित कृषि के लिये नई खेती से जुड़ना होगा, इसके लिये किसान उद्यानिकी से भी जुड़े।

मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि कई देश जैविक खेती में आगे बढ़ रहे हैं। जैविक खेती से पैदा होने वाली फसल से दुष्प्रभाव नहीं होता। इससे बीमारियों का सामना नहीं करना पड़ता और स्वास्थ्य प्रभावित नहीं होता। उन्होंने कहा कि प्र-संस्करण के क्षेत्र में कोई भी परियोजना व्यक्ति या संस्था लगाती है तो 35 प्रतिशत अनुदान सरकार दे रही है। साथ ही अनेक योजनाओं और कृषि उपकरण में भी सरकार अनुदान दे रही है।

विकसित भारत की परिकल्पना साकार करने में देश के युवा महत्वपूर्ण कड़ी - निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी

भोपाल (आरएनएस)। निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने में सबसे महत्वपूर्ण कड़ी देश का युवा वर्ग है। सूर्यवंशी ने यह विचार नेहरू युवा केन्द्र में आयोजित अंतर्राज्यीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए व्यक्त किए। युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम विकसित भारत के अंतर्गत भारत सरकार के युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय विभाग द्वारा आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में प्रतिभागी राज्य के रूप में हिमाचल प्रदेश के युवाओं ने भाग लिया। इस अवसर पर आयोजकों द्वारा निगम अध्यक्ष सूर्यवंशी का सम्मान स्मृति चिन्ह एवं परम्परागत टोपी भेंटकर किया। कार्यक्रम में नेहरू युवा केन्द्र के संचालक राकेश सिंह तोमर, जिला युवा अधिकारी निक्की राठौर, कार्यक्रम समन्वयक प्रदीप देशमुख, हिमाचल प्रदेश दल के प्रमुख राजेन्द्र व अक्षत सहित बड़ी संख्या में युवा एवं गणमान्य नागरिक मौजूद थे।निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने सोमवार को विकसित भारत के अंतर्गत अंतर्राज्यीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए सूर्यवंशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की वर्ष 2047 में भारत को विकसित भारत बनाने की परिकल्पना के तहत देश के विभिन्न अंचलों के युवाओं को देश के अन्य अंचलों की संस्कृति से परिचित कराने हेतु अंतर्राज्यीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। सूर्यवंशी ने कहा कि विकसित भारत की परिकल्पना में सबसे महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में देश के युवा है और युवाओं का संख्या बल ही हमारी ताकत है। सूर्यवंशी ने कहा कि दुनिया में भारत ही एक ऐसा देश है जो विश्व गुरू बनने और विश्व को दिशा देने की क्षमता रखता है क्योंकि भारत ही ऐसा देश है जो विश्व के सभी प्राणियों के कल्याण की बात करता है और वासुदेव कुटुंबकम के वाक्य को भी चरितार्थ करता है। सूर्यवंशी ने शिकागो की धर्म संसद में स्वामी विवेकानन्द के उद्बोधन का उदाहरण देते हुए कहा कि स्वामी जी ने शिकागो में अपने भाषण की शुरूआत भाईयों-बहनों के संबोधन से की तो उनके लिए आवंटित पूरा समय ही करतल ध्वनि में बीत गया और आयोजकों द्वारा उन्हें अतिरिक्त समय देना पड़ा।

निगम अमले ने टी.टी.नगर क्षेत्र में हटाई 42 दुकानों सहित अवैध रूप से बने शेड

भोपाल (आरएनएस)। नगर निगम द्वारा सड़कों, फुटपाथों, कॉरीडोर व सार्वजनिक स्थलों आदि से अतिक्रमणों को हटाने की कार्यवाही निरंतर की जा रही है। इसी तारतम्य में निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते के दलों ने सोमवार को जिला प्रशासन एवं स्मार्ट सिटी की कार्यवाही में सहयोग करते हुए टी.टी. नगर स्थित सीएम राईज स्कूल की बाउंड्रीवॉल के पास रखी दुकानों के अलावा एम.ए.सिटी कॉलेज, जवाहर चौक आदि क्षेत्रों से ठेले, गुमठी के अलावा अवैध रूप से निर्मित शेड, दुकाने, छप्पर आदि तोड़ने की कार्यवाही की। निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन के निर्देषों के परिपालन में नगर निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते के दलों ने सोमवार को टी.टी. नगर स्टेडियम के समीप सी.एम.राईज की बाउंड्रीवॉल के समीप अवैध रूप से लगी 42 दुकानों को जे.सी.बी मशीनों व श्रमिकों के माध्यम से हटाने की कार्यवाही की। निगम अमले ने दुकानों के अलावा अन्य प्रकार के अतिक्रमणों को भी हटाया।

प्रधानमंत्री द्वारा परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में शामिल हुए खाद्य मंत्री श्री राजपूत

बच्चों से मित्रवत व्यवहार रखें ताकि बच्चे तनाव मुक्त रहे टारगेट बड़ा रखो, परीक्षा छोटी हो जाएगी: मंत्री श्री राजपूत

भोपाल (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम देश के समस्त छात्र-छात्राओं को उत्साहवर्धन के लिए आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के तहत खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-1 सागर में शामिल हुए। उन्होंने बच्चों के साथ प्रधानमंत्री श्री मोदी का कार्यक्रम परीक्षा पे चर्चा देखा। श्री राजपूत ने बच्चों से कहा कि टाइम को मैनेज करना सीखें तथा टारगेट बड़ा रखें तो परीक्षा छोटी लगने लगेगी। मंत्री श्री राजपूत ने बच्चों से कहा कि परीक्षा हमारी मित्र है जो हमारे लिए आत्म-विश्वास तथा आगे बढ़ने का काम करती है। आज के बच्चे बहुत इंटेलिजेंट हैं। बस जरूरत है उनके आत्म-विश्वास को बढ़ाने की तथा उनके अंदर के हुनर को पहचानने की। उन्होंने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि हमें ऐसे प्रधानमंत्री मिले जो बच्चों की परीक्षा के लिए भी चिंतित हैं तथा बच्चों के लिए वह परीक्षा में उत्तीर्ण होने तथा तनाव मुक्त रहने के सुझाव दे रहे हैं। हमारे प्रधानमंत्री छोटी से छोटी समस्या को लेकर भी चिंतित रहते हैं। उन्होंने बच्चों तथा उनके अभिभावकों को तनाव मुक्त रहने के जो टिप्स दिए हैं यह बहुत ही प्रेरक तथा आत्मविश्वास से भरने वाले हैं। सभी बच्चे प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा दिए गए टिप्स को फॉलो करें और तनाव मुक्त रहकर परीक्षा दें। श्री राजपूत ने कहा कि यह परीक्षा केवल बच्चों की नहीं बल्कि अभिभावकों की भी होती है इसलिए अपने बच्चों से मित्रवत व्यवहार करते हुए उन्हें सुरक्षात्मक तनाव मुक्त माहौल प्रदान करें।

शिक्षक बढ़ाएं बच्चों का आत्मविश्वास

मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि परीक्षा में शिक्षकों तथा स्कूल प्रबंधन की बहुत अहम भूमिका है। आप सभी के मार्गदर्शन तथा शिक्षण कार्य से ही बच्चे आगे बढ़ाते हैं। परीक्षा के दौरान शिक्षक बच्चों का उत्साहवर्धन करें तथा आत्मविश्वास बढ़ाएं। शिक्षक सभी छात्रों की योग्यता को पहचानते हैं। छात्र तथा अभिभावकों के बीच शिक्षक महत्वपूर्ण कड़ी हैं जो दोनों में सामंजस्य स्थापित करते हैं। शिक्षक गण भी अभिभावकों को बच्चों की मनः स्थिति के बारे में जानकारी दें।

इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विवेक केवी, जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद जैन, केंद्रीय विद्यालय क्रमांक एक के प्राचार्य मनीष गुप्ता सहित सभी शिक्षक एवं स्कूली छात्र छात्राएं मौजूद थे।

संतुष्टि के साथ कराएँ सीएम हैल्पलाइन की शिकायतों का निराकरण - कलेक्टर श्रीमती चौहान

ग्वालियर (ए)। आवेदक की संतुष्टि के साथ सीएम हैल्पलाइन की शिकायतों का निराकरण कराएँ। कार्यालय प्रमुख अधीनस्थ कर्मचारियों पर निर्भर न रहकर सीएम हैल्पलाइन पोर्टल पर दर्ज शिकायतों को स्वयं देखें और संतुष्टि के साथ निराकरण कराएँ। इस आशय के निर्देश कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने अंतर विभागीय समन्वय बैठक में सीएम हैल्पलाइन की समीक्षा के दौरान विभागीय अधिकारियों को दिए। उन्होंने हर बार की तरह मीटिंग से शिकायतकर्ताओं को फोन लगवाकर निराकरण की स्थिति जानी। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने जल संसाधन विभाग की शिकायतों के निराकरण की स्थिति ठीक न पाए जाने पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा जल संसाधन संभाग ग्वालियर व डबरा के कार्यपालन यंत्रियों के खिलाफ कार्रवाई के लिये प्रमुख सचिव को प्रस्ताव भेजा जायेगा।

38वे राष्ट्रीय खेल उत्तराखंड में मध्य प्रदेश हैंडबॉल टीम सेमीफाइनल में

उमरिया (आरएनएस)। 38वे राष्ट्रीय खेल उत्तराखंड में मध्य प्रदेश ने अपना दबदबा बनाए रखते हुए 20 स्वर्ण पदकों के साथ कुल 51 पदक अर्जित करते हुए 5 वे पायदान पर हैं। हैंडबॉल खेल का उद्घाटन उत्तराखंड की कैबिनेट मंत्री खेल युवा कल्याण रेखा आर्या,उत्तराखंड ओलंपिक संघ के अध्यक्ष महेश नेगी सचिव डी के सिंह ने सभी खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उन्हें अच्छे खेल व खेल भावना से खेलने को कहा । उन्होने कहा कि हार जीत महत्व नहीं रखती किसी भी खेल में सहभागिता करना ही बड़ी बात होती हैं, जिस प्रकार सरकार खिलाड़ियों को सहयोग कर रही हैं उसको देखकर लगता हैं कि खिलाड़ियों का भविष्य उज्जवल हैं । हैंडबॉल खेल का उद्घाटन मैच मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ के मध्य खेला गया जिसमें मध्य प्रदेश मध्य प्रदेश ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए दोनों ही टीमें 27-27 गोलों के साथ बराबर पर रहा दूसरे मैच में गोवा को 53-17 व हरियाणा से 31-39 से पराजित होते हुए अपने अंतिम लीग मैच में झारखंड को 57-23 से पराजित करते हुए अंतिम 4 में जगह बनाई मध्य प्रदेश हैंडबॉल टीम के मुख्य राष्ट्रीय प्रशिक्षक कृष्णा झारिया ने बताया कि टीम उच्च खेल कौशल और शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने पूल की छत्तीसगढ़, गोवा,झारखंड को पराजित करते हुए सेमीफाइनल में जगह सुनिश्चित की हैं ।

दोहरे हत्याकाण्ड में फरार दस हज़ार रुपये का ईनामी आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

रतलाम, (आरएनएस)। नामली थाना पुलिस को पिछले साल 21 मार्च रात्रि में हुए दोहरे हत्याकांड के मामले में फरार आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। पुलिस ने हत्या में उपयोग की गई कार को भी बरामद किया है। पुलिस अधीक्षक ने फरार आरोपी पर दस हजार का इनाम घोषित किया था।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पिछले साल 21 मार्च की रात्रि में बांगरोद नेगड़दा मार्ग पर केशव पिता विष्णुलाल गुर्जर उम्र 29 साल निवासी ग्राम सेमलिया थाना नामली व गजेन्द्र पिता पुनमचंद्र डोडिया जाति नाई उम्र 29 साल निवासी ग्राम अमलेटा थाना नामली की हत्या कर शव को काण्डरवासा फंटे पर एक्सीडेंट बताने की नियत से आरोपी फेंक कर भाग गये थे। पुलिस ने जाँच बाद हत्या का प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने फरार ईनामी आरोपीयों की गिरफ्तारी के लगातार निर्देश दिये गए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश खाखा एवं अनुविभागीय अधिकारी किशोर पाटनवाला के मार्गदर्शन में थाना नामली पुलिस ने हत्या के फरार आरोपी दीपक पिता भँवरलाल जाट उम्र 32 साल निवासी नेगडदा थाना नामली को गिरफ्तार किया गया हैं एवं आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक ङ्क्ङ् 300 कार जप्त की गई हैं। आरोपी दीपक जाट की गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक ने 10,000/-रूपये ईनाम की घोषणा की गई थी।आरोपी को गिरफ्तार करने में निरीक्षक विक्रमसिंह चौहान थाना प्रभारी नामली, सउनि संतोष अग्निहोत्री, प्र.आर.गोपाल खराड़ी, प्र.आर. शैलेष ठकराल, आर. कुणाल रावत, आर.बहादुरसिंह, आर.मनोहर नागदा, आर. शांतिलाल राठौर, आर. शिवराम मौर्य, आर. कुलदीप व्यास, आर.अविनाश यादव की सराहनीय भूमिका रही।

प्रकरणों का निराकरण प्राथमिकता से करें : कलेक्टर श्री सक्सेना

जबलपुर(ए)। कलेक्टर दीपक सक्सेना की अध्यक्षता में आज लंबित पत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक गहलोत, अपर कलेक्टर सुश्री मिशा सिंह, नाथूराम गोंड सहित सभी संबंधित अधिकारी मौजूद थे। बैठक में उन्होंने सभी विभागों की सीएम हेल्पलाईन की एक-एक कर समीक्षा करते हुए निर्देश दिये कि, सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों के निराकरण प्राथमिकता से करें। इसमें लापरवाही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जायेगी। निम्न गुणवत्ता से बंद किये गये सभी शिकायतों को देखें, साथ ही 50 दिन से अधिक के प्रकरणों को पहले निराकृत करें। शिकायतों के निराकरण की गति में तेजी लायें। इसके साथ ही कहा कि मांग क्लोजर व फोर्स क्लोजर करने की लास्ट डेट 14 फरवरी है। कलेक्टर श्री सक्सेना ने टीएल के प्रकरणों की समीक्षा के दौरान विभागवार एक-एक प्रकरणों की समीक्षा करते हुये कहा कि प्रकरणों का निराकरण तत्परता से करें।

कलेक्टर ने जल संचय जन भागीदारी के सम्बन्ध में बैठक ली

झाबुआ (ए)। कलेक्टर नेहा मीना ने जिले में जल संचय जन भागीदारी के सम्बन्ध में सम्पन्न गतिविधियों एवं आगे की कार्ययोजना के सम्बन्ध में बैठक ली गयी। जैसा की विदित है जल संचय जन भागीदारी पहल भारत सरकार के जल संरक्षण को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाने के अटूट संकल्प का प्रतिबिंब है। यह पहल जल संरक्षण में जन भागीदारी के महत्व पर जोर देती है और सभी हितधारकों से एकजुट कार्यवाही के लिए एक प्रतिज्ञा को मूर्त रूप देती है, जिसका उद्देश्य अन्य गतिविधियों के अलावा कृत्रिम पुनर्भरण संरचनाओं/बोरवेल पुनर्भरण शाफ्ट के निर्माण पर विशेष ध्यान देना है।

केंद्रीय मंत्री सिंधिया की सौगात, 25 करोड़ की लागत से खेल स्टेडियम बनाने का किया ऐलान

सांसद खेल महोत्सव के समापन कार्यक्रम में पहुंचं सिंधिया खेली पिकेलबॉल

गुना (ए)। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपने संसदीय क्षेत्र के चार दिवसीय दौरे के अंतिम दिन गुना स्टेडियम में आयोजित सांसद खेल महोत्सव में शिरकत की। उन्होंने खिलाडियों का उत्साहवर्धन किया, उनसे संवाद किया और क्राइस्ट स्कूल के एनसीसी कैडेट्स के साथ मार्च पास्ट में भी शामिल हुए। दरअसल सांसद खेल महोत्सव में विभिन्न खेलों का आयोजन किया जा रहा है। सिंधिया ने खुद निशानेबाजी और पिकलबॉल खेलते हुए महोत्सव का आनंद उठाया। उन्होंने खिलाडियों के साथ और गुना भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र सिकरवार के साथ भी पिकलबॉल खेला, जिससे महोत्सव का माहौल और भी उत्साहजनक बन गया।

महिला सुरक्षा पर जागरूकता

जिला स्तर की जूडो स्वर्ण पदक विजेता नवधा मिश्रा ने

इस अवसर पर आत्मरक्षा के विशेष कौशल का प्रदर्शन किया, जिससे युवा खिलाडियों को प्रेरणा मिली।

मनोरंजक खेलों का आयोजन

महोत्सव में न केवल प्रतिस्पर्धात्मक खेल बल्कि मनोरंजक खेलों का भी आयोजन किया गया। गुना के विभिन्न क्लबों ने भाग लेकर बच्चों को प्रोत्साहित किया। खेलों में बुक बैलेंसिंग, स्पून-लेमन बैलेंस और ऑक्टोपस गेम शामिल रहे, जिन्हें सिंधिया ने भी आनंदपूर्वक खेला।

दिव्यांग खिलाडियों की भागीदारी

इस महोत्सव में दिव्यांग खिलाडियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। सिंधिया ने उनके जज़्बे को सलाम किया और दिव्यांग खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

खेल सुविधाओं के विस्तार की घोषणा

सिंधिया ने खेल इंफ्रास्ट्रक्चर और अधोसंरचना के विस्तार की दिशा में बड़ी घोषणाएँ कीं। इनमें गुना में 25 करोड़ रुपये की लागत से एक उच्च स्तरीय खेल स्टेडियम बनाया जाएगा, जिससे यह जिला खेल गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनेगा। सांसद निधि से जूडो के लिए मैट्स और अन्य खेल सुविधाओं को विकसित करने की घोषणा की। इस दौरान सिंधिया ने कहा खेल न केवल मनोरंजन का माध्यम हैं, बल्कि ये हमें जीवन प्रबंधन की महत्वपूर्ण सीख भी देते हैं।

व्यापार समाचार

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई (ए)। भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। बैंक, धातु और पेट्रोलियम शेयरों में सबसे ज्यादा बिकवाली हुई। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 548.39 अंक करीब 0.70 फीसदी की गिरावट के साथ सप्ताह के निचले स्तर 77,311.80 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 178.35 अंक तकरीबन 0.76 फीसदी नीचे आकर 23,381.60 अंक पर बंद हुआ। । जानकारों के अनुसार सेंसेक्स के तीस शेयरों में से पावर ग्रिड, टाटा स्टील, जोमैटो, टाइटन, बजाज फाइनेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एनटीपीसी और टाटा मोटर्स के शेयर गिरे। वहीं दूसरी तरफ लाभ में रहने वाले शेयरों में कोटक महिंद्रा बैंक, भारती एयरटेल, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, आईसीआईसीआई बैंक और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज शामिल हैं। वहीं अन्य बाजारों की बात करें तो एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी नुकसान में जबकि जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग लाभ में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में तेजी का रुख रहा। अमेरिकी बाजार शुक्रवार को बंद थे।

इससे पहले आज सुबह बाजार बड़ी गिरावट में खुले। स्टील स्टॉक्स समेत आईटी और फाइनेंशियल स्टॉक्स में गिरावट की वजह से बाजार में गिरावट देखने को मिल रही है। सेंसेक्स सोमवार को 19.36 अंक गिरकर 77,840 पर खुला जबकि और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 37.50 अंक की गिरावट लेकर 23,522.45 पर खुला। हालांकि, कुछ ही देर में दोनों इंडेक्स में गिरावट बढ़ गई और सेंसेक्स 77,500 तथा 23,500 से नीचे फिसल गया।

सोने और चांदी की कीमतों में मामूली राहत

- दिल्ली में 24 कैरेट घटकर 86,810 रुपये, चांदी 99,400 रुपये

नई दिल्ली (ए)। सोने और चांदी की कीमतों में सोमवार को मामूली राहत देखने को मिली है। देशभर में सोने की कीमतें बीते हफ्ते बढ़ने के बाद अब थोड़ा नीचे आई हैं। राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट गोल्ड का भाव घटकर 86,810 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया है, जबकि मुंबई में यह 86,660 रुपये प्रति 10 ग्राम है। हालांकि, बीते एक हफ्ते में 24 कैरेट सोने की कीमत में 2,180 रुपये और 22 कैरेट सोने की कीमत में 2,000 रुपये का इजाफा हुआ है। चांदी की कीमत में भी गिरावट दर्ज की गई है, जिससे निवेशकों और खरीदारों को थोड़ी राहत मिली है। चांदी 100 रुपये सस्ती होकर 99,400 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई है। इंदौर के सराफा बाजार में 8 फरवरी को चांदी में 300 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट आई थी, जिससे औसत भाव 95,200 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया था। 7 फरवरी को दिल्ली के सराफा बाजार में चांदी की कीमत 96,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर स्थिर बनी रही थी।

नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी और नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बीवीआर सुब्रह्मण्यम नई दिल्ली में राज्यों और राज्य सार्वजनिक विश्वविद्यालयों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा का विस्तार पर नीति रिपोर्ट जारी करते हुए।

रुपया 45 पैसे टूटकर 87.95 डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर

- रुपया शुक्रवार को डॉलर के मुकाबले 87.50 पर बंद हुआ था

मुंबई (ए)। विदेशी बाजारों में अमेरिकी मुद्रा की मजबूती और घरेलू शेयर बाजारों में नकारात्मक रुख के बीच रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में 45 पैसे टूटकर 87.95 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सभी इस्पात और एल्यूमीनियम आयातों पर 25 प्रतिशत का नया शुल्क लगाने की घोषणा के बाद डॉलर सूचकांक 108 पर पहुंच गया। उन्होंने बताया कि इस कदम से वैश्विक व्यापार युद्ध को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं, क्योंकि चीन के भी पारस्परिक शुल्क लागू हो गए हैं।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 87.94 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले 87.95 के सर्वकालिक निचले स्तर तक फिसल गया, जो पिछले बंद भाव से 45 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 87.50 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.22 प्रतिशत की बढ़त के साथ 108.28 पर रहा।

घर से करें टेडी बियर का बिजनेस, होगी लाखों की कमाई

नई दिल्ली (ए)। लव बड्स का महीना होता है. 10 फरवरी को टेडी डे आता है. ऐसे में आपके लिए एक शानदार बिजनेस आइडिया है. इसे आप कम पैसों में शुरू कर मोटी कमाई कर सकते हैं. हम बात कर रहे हैं टेडी बियर बनाने के बिजनेस के बारे में. बच्चा हो या बड़ा टेडी बियर का हर कोई दीवाना है. वैलेंटाइन डे, जन्मदिन या सालगिरह टेडी बियर लोग अक्सर गिफ्ट में देते है. इस बिजनेस को आप घर से शुरू कर सकते हैं और अच्छा खासा मुनाफा कमा सकते हैं।

सरकार दे रही बढ़ावा

भारत सरकार आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दे रही है. इस दिशा में खिलौने बनाने के व्यवसाय को भी बढ़ावा दे रही है. चाइना के खिलौनों की बढ़ती मांग को देखते हुए भारत सरकार ने अब देश में ही खिलौने बनाने पर जोर दिया है. इसका फायदा उठाकर आप भी इस बिजनेस में कदम रख सकते हैं.टेडी बियर बनाने के लिए आपको कपड़े, फर, धागा, और सिलाई मशीन की जरूरत होगी. इसके लिए लगभग 20,000 से 25,000 रुपये का निवेश हो सकता है. इससे आप अपने घर से ही टेडी बियर बनाने का काम शुरू कर सकते हैं।

टेडी बियर की हमेशा बनी रहेगी मांग

टेडी बियर और सॉफ्ट टॉयज की मांग हमेशा बनी रहती है. यह बच्चों के लिए तो होते ही हैं लेकिन बड़े लोग भी इन्हें उपहार या सजावट के रूप में खरीदते हैं. इस बिजनेस की कमाई काफी अच्छी हो सकती है. शुरूआत में निवेश कम रहेगा लेकिन जैसे-जैसे आप कारोबार बढ़ाएंगे आपकी इनकम भी बढ़ेगी. आप इसे छोटे पैमाने पर शुरू कर सकते हैं. इसमें वित्तीय जोखिम भी कम है।

गोल्ड लोन का पैसा नहीं चुका रहे हैं लोग, वित्त मंत्री ने खुद किया खुलासा

नई दिल्ली (ए)। देश की वित्त मंत्री ने संसद में गोल्ड लोन एनपीए पर ऐसी जानकारी दी है, जिससे पूरी संसद हैरान रह गई है. वास्तव में गोल्ड लोन का एनपीए भी लगातार बढ़ता जा रहा है. वास्तव में जिन लोगों ने देश में गोल्ड के बदले में लोन लिया है. उसे चुका पाने में आम लोग असमर्थ दिखाई दे रहे हैं. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रश्नकाल के दौरान डीएमके नेता कनिमोझी करुणानिधि एक सवाल के जवाब में ये जानकारी दी है. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर वित्त मंत्री ने किस तरह का खुलासा किया है।

गोल्ड लोन एनपीए में इजाफा

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सवाल का जवाब देते हुए बताया कि शेड्यूल्ड कमर्शियल बैंकों और अपर और मिड लेवल एनबीएफसी में गोल्ड लोन से संबंधित ग्रॉस एनपीए मार्च 2024 से जून 2024 तक 18.14 फीसदी बढ़ गया. उन्होंने कहा कि इसी अवधि के दौरान एससीबी में ग्रॉस गोल्ड लोन जीएनपीए में 21.03 फीसदी की वृद्धि हुई है. इसके अलावा, 30 जून, 2024 तक, एससीबी में गोल्ड लोन से संबंधित जीएनपीए रेश्यो 0.22 फीसदी था और अपर और मिड लेवल एनबीएफसी का ये रेश्यो 2.58 फीसदी देखने को मिला था. नॉन-बैंकिंग गोल्ड लोन लेंडर्स द्वारा सोने की नीलामी में तेजी से वृद्धि पर कनिमोझी करुणानिधि के सवालों के जवाब में वित्त मंत्री की ओर से यह डाटा शेयर किया गया है।

ये नीलामी का प्रोसेस

वित्त मंत्री सीतारमण ने अपने जवाब कहा कि नीलामी में जाने के लिए एक बेहतर और पारदर्शी प्रोसेस है. यहइस नीलामी को तब तक नहीं की जा सकती है जब तक कि मूल्यांकन नहीं किया जाता है. साथ ही इस नीलामी को रेंडम रेट पर पर भी नहीं किया जाता है. वित्त मंत्री ने कहा कि एक बेंचमार्क रेट है जिसे एनबीएफसी को तय करना है, और मुझे लगता है कि पिछले तीन या चार महीनों में सोने की दर 80 फीसदी से कम नहीं होगी।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

किसी की भी नहीं सुनेंगे राहुल

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी जब भी कुछ कहते हैं तो वह बहुत से लोगों को बहुत तरह से सोचने का मसाला भी दे देते हैं। कभी-कभी इतना अटपटा बोल देते हैं कि वह गैर कांग्रेसियों के बीच मजाक बन जाते हैं और फिर पूरी कांग्रेस को क्षतिपूर्ति के अनुष्ठान में लग जाना पड़ जाता है। चाहे उनका लोक सभा चुनाव के दौरान दिया गया शक्ति वाला बयान हो या हरियाणा चुनाव के दौरान दिया गया जलेबी के कारखाने वाला बयान हो। वह प्राय: अपने बयानों की गंभीरता को बनाए नहीं रख पाते। इस बार उन्होंने एक बार फिर अपनी पार्टी को कठघरे में खड़ा कर दिया है।

दलित बुद्धिजीवियों के सम्मेलन में आमंत्रित वक्त के रूप में उन्होंने कहा कि जब तक दलित और पिछड़े कांग्रेस के साथ थे तब तक आरएसएस सत्ता से दूर रहा, लेकिन 1990 के बाद यानी नरसिंह राव के शासनकाल में कांग्रेस दलित और पिछड़ों को अपने साथ जोड़कर नहीं रख सकी। अब वह कांग्रेस की इस गलती को सुधारना चाहते हैं। दलित और पिछड़ों की भागीदारी बढ़ाने के लिए कांग्रेस के भीतर ही क्रांति करेंगे।

आशा यह है कि दलित-पिछड़ों को अपनी पार्टी में जगह देकर दलित-पिछड़े समूह को अपनी पार्टी से जोड़ेंगे और अपना खोया हुआ जनाधार फिर से प्राप्त करेंगे और उनके बल पर संघ और भाजपा को सत्ता से बाहर करेंगे। इसके लिए उन्होंने यह आशंका भी जताई है कि अपनी पार्टी में विरोध भी सहना पड़ सकता है लेकिन वह इस इरादे को पूरा करने के लिए किसी की भी नहीं सुनेंगे। यह हास्यास्पद स्थिति है कि कांग्रेस का शीषर्स्थ नेता एक नीतिगत प्रश्न को एक सामान्य बैठक में इस तरह से प्रस्तुत करे।

पहले उन्हें अपनी पार्टी के भीतर यह बात रखनी चाहिए थी पार्टी में दलित और पिछड़ों को क्या जगह दी जाए, कैसे दी जाए इसकी प्रक्रिया तय करनी चाहिए थी और जब एक स्पष्ट रणनीति निर्धारित हो जाती तो उसे जनता के सामने स्पष्टत: रखना चाहिए था। उन्हें यह भी समझना चाहिए था कि जो दलित और पिछड़े समूह स्वयं शक्तिशाली होकर इस या उससे गठजोड़ करने की स्थिति में हैं, वे राहुल गांधी की कृपा पर क्यों रहेंगे। लेकिन राहुल गांधी तो राहुल गांधी हैं। अब उनकी पार्टी तय करेगी कि उनके इस नीति वक्तव्य का वह क्या करे।

अठारहवीं लोकसभा के बजट सत्र के दौरान संसद भवन में राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल.

परीक्षा योद्धाओं की नई परिभाषा: परीक्षा के युद्धक्षेत्र से परे

धर्मेंद्र प्रधान

प्रकृति ने अपनी असीम बुद्धि से प्रत्येक मनुष्य को एक अलग पहचान दी है - हमारी उंगलियों के निशान से लेकर आंखों की पुतलियों तक, हमारे अनुभव से लेकर विचारों तक, हमारी प्रतिभाओं से लेकर उपलब्धियों तक। मानवीय विशिष्टता के बारे में यह गहन सत्य हमारे समाज की विशेषता रही है और हमारी शिक्षा प्रणाली को इस विशेषता को प्रतिबिंबित करना चाहिए। प्रत्येक बच्चे में कुछ जन्मजात प्रतिभा होती है, कुछ शैक्षिक प्रतिभा से चमकते हैं, अन्य रचनात्मकता के लिए तत्पर होते हैं, कई अन्य एथलेटिक और पेशेवर कौशल से युक्त होते हैं। इस विशिष्टता को दर्शाते हुए, स्वामी विवेकानंद ने एक बार कहा था, शिक्षा मनुष्य में पहले से मौजूद पूर्णता की अभिव्यक्ति है।

एक बच्चे की प्राकृतिक प्रतिभा को निखारना और उसे उसकी पसंद के शैक्षणिक और पाठ्येतर गतिविधियों में रचनात्मक रूप से शामिल करना हमारे शैक्षणिक संस्थानों के सामने कठिन चुनौतियां रही हैं। शिक्षकों और नीति निर्माताओं के रूप में हमारी भूमिका एक बच्चे की अनूठी प्रतिभा को विकसित करना है, जिससे वह चुने हुए लक्ष्य में श्रेष्ठता प्राप्त कर सके। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 ने प्रतिभा को परिभाषित करने और उसको विकसित करने के तरीके में एक विलक्षण बदलाव किया है। यह एक दार्शनिक ढांचा है जो वास्तव में हमारे प्रत्येक बच्चे में मौजूद विशिष्टता की सूक्ष्म रूपरेखा का वर्णन कर सकता है जो हमारे देश की उन्नति में योगदान देता है।

हमारे प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में, हम शिक्षा में संपूर्ण सुधार लागू कर रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि बच्चे की शैक्षिक यात्रा हमेशा रोमांचकारी और यादगार बनी रहे। बच्चे पढ़ाई और परीक्षा के दौरान किसी भी तरह के तनाव और दबाव से मुक्त रहें। यह दृष्टिकोण हमारे शैक्षिक सुधारों का केंद्र है, बुनियादी शिक्षा से लेकर शिक्षा और अनुसंधान के उच्चतम स्तरों तक।

कुछ साल पहले, हमारे युवा शिक्षार्थियों के लिए बाल वाटिका या खिलौना-आधारित शिक्षा ने व्यापक संदेह को आमंत्रित किया होगा। आज, एनईपी की बदौलत, ये अभिनव दृष्टिकोण प्रारंभिक शिक्षा में आमूल परिवर्तन ला रहे हैं, जिससे सीखना कष्टदायक होने के बजाय एक आनंददायक कार्य बन गया है। हमारी नई शिक्षा प्रणाली यह मानती है कि

प्रत्येक बच्चा अपनी प्राकृतिक प्रतिभा के अनुसार विकास करता है।

हमारी क्रेडिट ट्रांसफर नीति जो एक अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट स्थापित करती है, एक और उन्नतिशील कदम आगे बढ़ाती है। यह माना जाता है कि जीवन का मार्ग हमेशा सीधा नहीं हो सकता है, बल्कि इसमें उतार-चढ़ाव भी हो सकते हैं और सीखना विभिन्न परिस्थितियों में विभिन्न गति से हो सकता है। शिक्षार्थी औपचारिक शिक्षा को रोक सकते हैं क्योंकि वे अपनी रुचि के अनुसार काम करते हैं, व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करते हैं तथा अपने परिवार का समर्थन करते हैं। जब वे औपचारिक शिक्षा में वापस लौटते हैं, तो उनके अपने अनुभव और उपलब्धियां काम आती हैं और इन्हें महत्व दिया जाता है जो उनके क्रेडिट अकादमिक रिकॉर्ड में शामिल किया जाता है। यह अनुकूलनियता इस बात को जोर देती है कि सीखने के दरवाज़े हमेशा खुले रहते हैं, जो लोगों को उनके जीवन के किसी भी मोड़ पर सीखने के पारिस्थितिकी तंत्र में वापस लाते हैं।

सरकार ऐसी संस्कृति विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है, जहां परीक्षा में सफलता कभी भी संपूर्ण विकास पर हावी न हो, जिससे हमारे युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान न हो। इस महत्वपूर्ण चुनौती को पहचानते हुए, हमारी सरकार ने परीक्षा से संबंधित तनाव को दूर करने में मदद करना एक राष्ट्रीय प्राथमिकता बना दिया है। प्रधानमंत्री की अभूतपूर्व परीक्षा पे चर्चा पहल छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों के मूल्यांकन के तरीके को बदलने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। छात्रों और अभिभावकों के साथ प्रधानमंत्री की बातचीत ने परीक्षा की चिंता को राष्ट्रीय संवाद में बदल दिया है। उन्होंने पिछले कई वर्षों से परीक्षाओं को लेकर होने वाली चिंता को दूर करने का प्रयास किया है, जो संवेदनशील दिमाग पर अनावश्यक दबाव डालती है।

प्रधानमंत्री के अपने जीवन और अनुभवों से लिए गए व्यावहारिक सुझावों को परीक्षार्थियों ने खूब सराहा है, जिससे उनका परीक्षा में तनाव मुक्त प्रदर्शन आश्वस्त हुआ है। सच्चे नेतृत्व के एक उदाहरण में, हम भारतीयों की भावी पीढ़ी को बढ़ावा देने के लिए एक दूरदर्शी नेता के समर्पण को देख रहे हैं जो राष्ट्र निर्माण में योगदान देता है और राष्ट्र की प्रगति की ओर निरंतर अग्रसर होना सुनिश्चित करता है। माता-पिता और समाज तथा नागरिक पर ये परिवर्तन केंद्रित है। परीक्षा पे चर्चा मानसिक स्वास्थ्य और शिक्षण सहायक, वातावरण के महत्व को उजागर करने में परिवर्तनकारी रही है। यह एक ऐसी मानसिकता है जिसे केवल 10वीं और 12वीं के छात्रों की बोर्ड की कक्षाओं के अलावा सभी कक्षाओं और सभी उम्र के छात्रों में बढ़ावा दिया जाना चाहिए । परीक्षा के समय दबाव और तनाव को दूर करने के सभी चरणों को सिखाया जाना चाहिए। रवींद्रनाथ टैगोर के बुद्धिमान शब्दों में, बच्चे को अपनी शिक्षा तक सीमित न रखें, क्योंकि वह किसी और समय में पैदा हुआ है। शैक्षिक परिवर्तन के प्रति हमारा दृष्टिकोण इसी ज्ञान से निर्देशित है। यह विचार कि शिक्षा में तनाव अनिवार्य है, इस समझ को बदलने की आवश्यकता है कि वास्तविक शिक्षा पोषण करने वाले वातावरण में पनपती है। जब समुदाय, शिक्षक और परिवार मिलकर ऐसा माहौल बनाते हैं जहां छात्र का विकास हो सकें, तो सफलता अवश्य मिलती है। कक्षा से लेकर खेल के मैदान तक, व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्रों से लेकर अनुसंधान प्रयोगशालाओं तक, हमें ऐसे स्थान बनाने चाहिए जहां अलग-अलग प्रतिभाएं अपनी चमक पा सकें और विकास कर सकें। पारंपरिक एक-आकार-सभी-फिट दृष्टिकोण को बदलने की कोशिश की जा रही है ताकि एक से अधिक सूक्ष्म, उत्तरदायी प्रणाली को रास्ता दिया जा सके जो व्यक्तिगत क्षमता को पहचान सके और उसका विकास कर सकती हो। जैसे-जैसे हम विकासित भारत की ओर तेज़ी से आगे बढ़ रहे हैं, हमारी शिक्षा प्रणाली राष्ट्रीय परिवर्तन की एक प्रमुख आधारशिला के रूप में खड़ी है। हम मानते हैं कि हर कौशल में योग्यता होती है, हर यात्रा का मूल्य होता है, और हर बच्चे को उत्कृष्टता के लिए अपना अनूठा मार्ग खोजने का अधिकार है।

मध्यम वर्ग को राहत देने वाला बजट

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किया गया वित्त वर्ष 2025-26 का बजट करदाताओं, निवेशकों तथा मध्यम वर्ग को मुस्कुराहट देते दिखाई दे रहा है। वित्त मंत्री बजट के माध्यम से टैक्स में कटौती और वित्तीय प्रोत्साहनों से मध्यम वर्ग की क्रयशक्ति बढ़ा कर मांग में वृद्धि करके अर्थव्यवस्था को गतिशील करने की रणनीति पर आगे बढ़ते हुए दिखाई दी हैं। वित्त मंत्री ने नये टैक्स रिजीम के तहत 12 लाख रुपये तक की कमाई को टैक्स फ्री किया है। खास बात यह भी है कि बजट के तहत बीमा में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की वर्तमान 74 फीसद की सीमा बढ़ा कर 100 फीसद किया गया है। इससे कंपनियों को ज्यादा पैसा मिलेगा और ऐसे में वे अपना विस्तार करेंगी और प्रीमियम भी कम होने से करदाता और मध्यम वर्ग लाभान्वित होगा।

निस्संदेह कोरोना काल के बाद मध्यम वर्ग को राहत देने को लेकर लगातार मांग तेज हुई है। सरकार ने विगत वर्षो में जहां गरीब लोगों के लिए ढेर सारी राहतों का ऐलान किया, वहीं कॉरपोरेट जगत पर भी सरकार ने ध्यान दिया। लेकिन सबसे अधिक टैक्स देने वाला मध्यम वर्ग पीछे छूट गया। इसमें कोई दो मत नहीं है कि पिछले विभिन्न बजटों में मध्यम वर्ग की चिंताओं पर विशेष ध्यान नहीं दिया गया है। इस वर्ग पर लगाए गए कर की तुलना में इस वर्ग को सार्वजनिक सेवाओं के जरिए बहुत कम रिटर्न मिला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी बजट सत्र की शुरु आत पर मध्यम वर्ग को सौगात देने के संकेत दिए थे।

साथ ही, वित्त मंत्री ने संसद में 2024-25 की जो आर्थिक समीक्षा पेश की उसमें भी वेतनभोगी और स्वरोजगार वाले मध्यम वर्ग की वास्तविक आय में कमी आने की बात स्वीकार की थी। ऐसे में वित्त मंत्री कोरोना काल के बाद देश के विकास का इंजन कहे जाने वाले मध्यम वर्ग के निजी उपभोग पर होने वाले खर्च में गिरावट से घटी हुई विकास दर को बढ़ाने की नई रणनीति के साथ आगे बढ़ी हैं। निश्चित रूप से इस बजट से सरकार लंबे समय से लंबित मध्यम वर्ग की आर्थिक वित्तीय शिकायतों का समाधान करते हुए आर्थिक वृद्धि की गति को फिर से तेज कर उपयुक्त कर राहत से एक अच्छा आर्थिक चक्र करने की डगर पर आगे बढ़ी है।

निश्चित रूप से मध्यम वर्ग पर कर का बोझ कम करने से खपत बढ़ेगी। इससे जीएसटी संग्रह में वृद्धि होगी और कर योग्य आय वालों का आधार बढ़ेगा। मजबूत मध्यम वर्ग भारत के ऊंचे विकास के सपने को आकार देने का आधार बनते हुए भी दिखाई देगा। गौरतलब है कि बजट 2025-26 के मद्देनजर वित्त मंत्री सीतारमण के पास मध्यम वर्ग को राहत देने के लिए कर संग्रहण संबंधी मजबूत परिदृश्य मौजूद रहा है। पिछले 10 वर्षो में लगातार आयकर रिटर्न भरने वाले आयकरदाताओं की संख्या और आयकर की प्राप्ति में छलांग लगा कर वृद्धि हुई है। ऐसे में करदाताओं, छोटे निवेशकों और मध्यम वर्ग के लिए टैक्स में कटौती और टैक्स ढांचे को आसान बना कर खचरे और सेविंग्स को बढ़ाने की कोशिश बजट में दिखाई दी है। वित्त मंत्री ने मजबूत वित्तीय मुट्ठी से आयकर के नये टैक्स रिजीम की व्यवस्थाओं के तहत करदाताओं को अभूतपूर्व राहतों से लाभांवित किया गया है। नये टैक्स रिजीम के तहत आयकर स्लैब में बड़ा बदलाव है ताकि अधिक से अधिक करदाता इसे अपनाने के लिए प्रेरित हों।

नये बजट के तहत न्यू टैक्स रिजीम में टैक्स स्लैब में बदलाव और अतिरिक्त रिबेट की घोषणा की जिसके तहत 12 लाख रु पये तक की आमदनी पर कोई इनकम टैक्स नहीं देना होगा। आय के विभिन्न स्तरों पर टैक्सपेयर्स को बड़ी बचत का भी मौका मिलेगा। बजट 2025-26 में सीनियर सिटीजन के लिए स्टैंर्डड डिडक्शन (मानक कटौती) की लिमिट 50,000 रु पये से बढ़ाकर एक लाख रु पये की गई है। नई टैक्स रिजीम के तहत वेतनभोगी वर्ग को 75,000 रु पये की छूट (स्टैंर्डड डिडक्शन) का लाभ बना हुआ है। यद्यपि देश में कर सुधारों से आयकर के संग्रहण में आशातीत वृद्धि हुई है, लेकिन अभी आयकर के कर दायरे में इजाफा किए जाने की बड़ी संभावनाएं हैं। जहां 2025-26 के बजट से वित्त मंत्री ने मध्यम वर्ग को आयकर राहत संबंधी उपहार सौंपा है, वहीं उन्होंने बजट में आयकर सुधारों के लिए नई व्यवस्था का ऐलान भी किया हैं।

इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि बड़ी संख्या में उद्योग-कारोबार सेक्टर में कार्यरत रहते हुए कमाई करने वाले, महंगी आरामदायक और विलासिता की वस्तुओं का उपयोग करने वाले तथा पर्यटन के लिए विदेश यात्राएं करने वालों में से भी बड़ी संख्या में लोग या तो आयकर न देने का प्रयास करते हैं, या फिर बहुत कम आयकर देते हैं। स्थिति यह है कि 2023-24 में देश के 140 करोड़ से अधिक लोगों में से 8.09 करोड़ लोगों ने ही आयकर रिटर्न दाखिल किए।

मेष राशि: आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आपके द्वारा की जाने वाली मेहनत का फल जल्दी ही प्राप्त होगा। आज आप अपने कार्यों पर ध्यान देंगे और सकारात्मक रहेंगे। किसी समस्या का हल आपके काम से ही मिलेगी। आज दूसरों पर ज्यादा निर्भर रहने से बचेंगे तो आप अपने काम में बढ़िया परफॉर्म करेंगे। आज आप अपनी पसंदीदा गतिविधियों को महत्व देंगे, इससे आपको मानसिक शांति मिलेगी।

वृष राशि: आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज जीवन बहुत सहज और आसान लगेगा। दूसरों से आगे जाने की इच्छा आपके आत्मविश्वास और कार्यकुशलता में वृद्धि करेगी। बच्चों के किसी काम से मन प्रसन्न रहेगा। आज शांति से किसी भी समस्या का समाधान निकालने का प्रयास करेंगे तो सब सही रहेगा।

मिथुन राशि: आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। नया बिजनेस शुरू करना या बढ़ाना चाह रहे हैं तो आज उससे संबंधित शुरूआत करना बहुत ही अनुकूल रहेगा। प्रॉपर्टी के बिजनेस के लिए लाभदायक स्थिति बनी हुई है। आज आपको ऑफिशियल कार्यों में सफलता मिलेगी। भविष्य के लिए नई योजनाएं बनेंगी।

कर्क राशि:आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज परिस्थितियों को देखने का नजरिया बदलने की जरूरत है। समस्याओं को सकारात्मकता के साथ हल करेंगे तो बेहतर रहेगा। आपके अंदर आ रहे सकारात्मक बदलाव से परिवार के लोग प्रसन्न होंगे। अधूरे काम पूरे करने के लिए दिन सही है। लेनदेन के मामलों में आप भाग्यशाली रहेंगे।

सिंह राशि: आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। दांपत्य जीवन में मधुरता और आपसी सामंजस्य उचित बना रहेगा। युवा वर्ग व्यर्थ के कामों में अपना समय नष्ट न करें। कुछ समय अपने स्वास्थ्य और मनोबल को बेहतर बनाने में भी व्यतीत करेंगे। अपने ऊपर कार्यों का अत्यधिक बोझ लेना आपको शारीरिक और मानसिक रूप से थका सकता है।

कन्या राशि: आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज जीवनसाथी व परिवारजनों का सहयोग आपके आत्म बल व आत्मविश्वास को बनाकर रखेगा। आज बेवजह की उलझनों से दूर होकर अपने काम पर ध्यान दे पाएंगे। आज आप कुछ समय मेडिटेशन और आराम के लिए अवश्य निकालें। आज आपको अपनों की सलाह बहुत काम आएगी। आज आप सूझबूझ से काम लेंगे, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। किसी के प्रलोभन में ना आएं, नहीं तो वह आपका फायदा उठा सकता है। कुल मिलाकर आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है।

तुला राशि: आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आपकी आर्थिक समस्या हल होने वाली है। कहीं रुका हुआ पैसा मिलने की संभावना है। आत्म चिंतन करने से आपके दृष्टिकोण में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिलेगा। रिश्तेदार से चल रही अनबन किसी की मध्यस्थता से हल होगा। एक से अधिक स्त्रोतों से आय होगी।

वृश्चिक राशि: आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों पर आपका ध्यान केंद्रित रहेगा। अपने लक्ष्य के प्रति पूर्ण रूप से एकाग्र चित्त रहें, तो आपको सफलता प्राप्त होगी। युवाओं को किसी अनुभवी और प्रतिष्ठित व्यक्ति का आशीर्वाद व मार्गदर्शन प्राप्त होगा। अपनी सोच व समझ से निर्णय लेंगे, तो उसमें आपको लाभ अवश्य मिलेगा। समाज में आप अपनी एक अलग पहचान बनाएंगे।

धनु राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। विद्यार्थी और युवा अपनी सफलता को लेकर मन में किसी भी तरह का संशय न रखें। नया निवेश करने से पहले अच्छी तरह जांच-पड़ताल कर लें। घर के बड़े बुजुर्गों व वरिष्ठ सदस्यों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान रखना आवश्यक है।

मकर राशि: आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज दूसरों से ज्यादा उम्मीदें करने की बजाय अपनी कार्य क्षमता व योग्यता पर ही विश्वास रखें। युवा वर्ग भावनाओं में आकर किसी प्रकार का निर्णय न लें। जीवन से जुड़ी हर गतिविधि को व्यावहारिक तरीके से समझने का प्रयास करें। परिवार के सदस्यों के साथ आप सुखद पलों को साझा करेंगे। आप अपनी कला का प्रदर्शन करके लोगों को हैरान करेंगे।

कुंभ राशि: आज का दिन आपके लिए नई उमंग से भरा रहने वाला है। नौकरी और बिजनेस के सिलसिले में यात्रा का प्रोग्राम बन सकता है। आज आप उस कार्य को पूरा करने में सफल होंगे, जिसके लिए लंबे समय से प्रयासरत थे। विद्यार्थियों को इधर-उधर के कामों को छोड़कर अपनी पढ़ाई लिखाई पर पूरा फोकस करना होगा, तभी सफलता हासिल कर सकेंगे। आज आपका दांपत्य जीवन शानदार रहने वाला है।

मीन राशि: आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज किसी करीबी की सलाह आपके लिए फायदेमंद होगी। ये समय आपके लिए आगे बढ़ने का है, सही दिशा में प्रयास करेंगे तो आपको जरूर सफलता मिलेगी। आज सामाजिक कार्यों में आपकी रुचि बनी रहेगी। आज कुछ लोग आपकी आलोचना करेंगे और आपका ध्यान आपके लक्ष्य से भटका सकते हैं। नए व्यवसाय की योजना बनाने के लिए सही समय है। आपको अपने किसी मित्र से कई दिनों बाद मिलने का मौका मिलेगा।

आखिर दिल्ली में क्यों ढ़हा 'आप' का किला?

- योगेश कुमार गोयल/

दिल्ली में आम आदमी पार्टी का किला बुरी तरह ढ़ह गया है। आतिशी को छोड़कर पार्टी के लगभग तमाम दिग्गज नेता चुनाव हार गए और आप ने इस बार दिल्ली विधानसभा चुनावों में अपना सबसे खराब प्रदर्शन किया। 2015 में आम आदमी पार्टी ने 67 सीटें जीती थी लेकिन 2020 में यह संख्या घटकर 62 रह गई थी। वहीं, भाजपा ने 2015 में मात्र 3 सीटें जीती थी जबकि 2020 में 8 सीटें जीतने में सफल हुई थी और बंपर जीत के साथ पूरे 27 सालों बाद अब दिल्ली में सरकार बनाने में सफल हुई है। 27 साल पहले भाजपा की सुषमा स्वराज आखिरी बार कुल 52 दिन के लिए दिल्ली की मुख्यमंत्री रही थी और अब 27 साल बाद दिल्ली में भाजपा की सत्ता में बड़ी वापसी हुई है। भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन से निकली आम आदमी पार्टी पर घोटाले के गंभीर आरोप लगे थे और यह विधानसभा चुनाव इस बार आम आदमी पार्टी के लिए नाक का बहुत बड़ा सवाल था लेकिन भाजपा ने आम आदमी पार्टी को दिल्ली में जीत का चौका लगाने से रोक दिया। ऐसे में बड़ा सवाल यही है कि आखिर आम आदमी पार्टी की इतनी बड़ी हार के पीछे क्या प्रमुख कारण रहे और क्यों पार्टी की राजनीतिक स्थिति इतनी कमजोर हुई?

दिल्ली में आप सरकार ने करीब एक दशक तक शासन किया और लंबे समय तक सत्ता में रहने के कारण जनता के बीच असंतोष और बदलाव की इच्छा बढ़ी थी। विभिन्न क्षेत्रों में विकास कार्यों की कमी, बुनियादी सुविधाओं की अनदेखी और वादों को पूरा न करने के आरोपों ने सत्ता विरोधी लहर को मजबूत किया, जिसके परिणामस्वरूप मतदाताओं ने विकल्प के रूप में भाजपा की ओर रुख किया। अरविंद केजरीवाल ने यमुना को साफ करने, दिल्ली की सड़कों को पेरिस जैसा बनाने और साफ पानी उपलब्ध कराने जैसे जो तीन प्रमुख वादे दिल्ली की जनता से किए थे, वे एक दशक में भी पूरे नहीं हुए। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन, सांसद संजय सिंह इत्यादि पार्टी के शीर्ष नेताओं पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों और उनकी गिरफ्तारी ने पार्टी की छवि को गंभीर नुकसान पहुंचाते हुए 'आप' की भ्रष्टाचार विरोधी छवि को कमजोर किया। इन घटनाओं ने पार्टी की स्वच्छ राजनीति के दावे पर सवाल खड़े किए और जनता के विश्वास को कमजोर किया। खासतौर से केजरीवाल की गिरफ्तारी और बाद में उनके इस्तीफे के कारण पार्टी के नेतृत्व में अस्थिरता आई और केजरीवाल की विश्वसनीयता में बड़ी कमी आई। केजरीवाल ने हमेशा से वीआईपी कल्चर पर सवाल उठाए थे लेकिन शीशमहल के मुद्दे पर वे स्वयं 'वीआईपी कल्चर' के मुद्दे पर बुरी तरह घिर गए थे, भाजपा-कांग्रेस ने इस मुद्दे को लेकर आप को घेरने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी। राजनीति में आने से पहले केजरीवाल ने कहा था कि वो वीवीआईपी कल्चर को खत्म करेंगे, गाड़ी, बंगला और सुरक्षा लेने की बात से भी उन्होंने इनकार किया था लेकिन सत्ता मिलने के बाद उन्होंने लग्जरी गाड़ियां तो ली ही, केंद्र से जेड प्लस सुरक्षा मिलने के बावजूद पंजाब सरकार की शीर्ष सुरक्षा भी ली।

पार्टी के भीतर आंतरिक कलह और नेतृत्व के मुद्दों ने भी आप की हार में बड़ा योगदान दिया। कई वरिष्ठ नेताओं के पार्टी छोड़ने या निष्क्रिय होने से संगठनात्मक ढ़ांचे में कमजोरी आई। इसके अलावा नेतृत्व के प्रति असंतोष और निर्णय लेने में पारदर्शिता की कमी ने कार्यकर्ताओं और समर्थकों के मनोबल को प्रभावित किया। आप सरकार ने बिजली, पानी और अन्य सुविधाओं में मुफ्त सेवाओं की घोषणा की थी लेकिन विपक्ष ने इसे 'रेवड़ी संस्कृति' कहकर आलोचना करते हुए इसे आर्थिक रूप से अव्यवहारिक बताया। इसके अलावा, इन योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन में आई समस्याओं ने जनता के बीच नकारात्मक धारणा बनाई, जिससे 'आप' की लोकप्रियता में गिरावट आई। दिल्ली में सड़क, परिवहन और स्वच्छता के क्षेत्रों जैसे बुनियादी ढ़ांचे के विकास में अपेक्षित प्रगति नहीं हो पाई। इसके अलावा प्रदूषण, जलभराव और कूड़े के ढ़ेर जैसी समस्याओं का समाधान नहीं होने से जनता में केजरीवाल सरकार के प्रति नाराजगी बढ़ी थी। इन मुद्दों पर सरकार की निष्क्रियता ने मतदाताओं को निराश किया। दिल्ली में आप की लोकप्रियता का सबसे बड़ा कारण मुफ्त बिजली-पानी जैसी योजनाओं को माना जाता रहा लेकिन चुनाव के दौरान भाजपा ने भी 'आप' वाला ही दांव खेला और अपने चुनावी संकल्पों में महिलाओं, बच्चों व युवाओं से लेकर ऑटो रिक्शा चालकों तक के लिए बड़ी-बड़ी घोषणाएं तो की ही, साथ ही यह ऐलान भी किया कि वह सत्ता मिलने पर आप द्वारा चलाई जा रही तमाम योजनाओं को जारी करेगी। भाजपा की इन घोषणाओं से आप की चुनौती बहुत बढ़ गई थी।

विपक्ष और खासकर भाजपा की मजबूत रणनीति तथा भाजपा का मुखर प्रचार आप के लिए सबसे बड़ी चुनौती बना। भाजपा ने आप सरकार की तमाम कमजोरियों को उजागर करने में सक्रिय भूमिका निभाई। कांग्रेस ने भी इस तरह टिकट बांटे, जिसने कई सीटों पर आप को आसान जीत से रोकने में अहम भूमिका निभाई। भ्रष्टाचार, विकास की कमी और अन्य मुद्दों पर केंद्रित अभियानों ने जनता के बीच आप के प्रति नकारात्मक धारणा बनाई। भाजपा ने सामाजिक और धार्मिक मुद्दों को भी पुरजोर तरीके से उठाया, जिससे आप के समर्थन में बड़ी कमी आई। चुनाव से पहले कांग्रेस और आप के बीच गठबंधन की चर्चाएं थी लेकिन हरियाणा विधानसभा में दोनों के बीच गठबंधन नहीं होने के कारण दिल्ली में भी दोनों दलों के बीच गठबंधन नहीं हो सका, जिसके चलते विपक्षी मतों का विभाजन हुआ और इसका सीधा लाभ भाजपा को मिला। कांग्रेस के साथ गठबंधन नहीं करने के फैसले ने आप की रणनीतिक कमजोरी को उजागर किया और विपक्षी एकता की कमी का स्पष्ट संकेत दिया। इसका भी दिल्ली के मतदाताओं पर विपरीत प्रभाव पड़ा। पिछले दो विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने एक भी सीट नहीं जीती थी। 2015 में कांग्रेस को 9.7 प्रतिशत मत मिले थे लेकिन 2020 में मतों का प्रतिशत गिरकर महज 4.3 फीसद रह गया था लेकिन इस बार कांग्रेस के मत प्रतिशत में जो बढ़ोतरी हुई है, उसका नुकसान भी आप को भुगतना पड़ा है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी हर चुनावी सभा में 'आप' को ऐसी 'आपदा' करार देते हुए भाजपा कार्यकर्ताओं में जोश भरने का भरपूर प्रयास किया, जिसने जनता के फायदे के लिए मिलने वाली केंद्र की प्रत्येक जनकल्याणकारी योजना को दिल्ली में लागू नहीं होने दिया, उससे मतदाताओं के बीच आप की छवि पर विपरीत प्रभाव पड़ा और प्रधानमंत्री के 'आपदा' वाले नारे से भाजपा कार्यकर्ताओं का जोश कई गुना बढ़ा। दिल्ली की आबादी में पूर्वांचल (बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश, झारखंड) से आए लोगों की महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है और विपक्ष ने इस समुदाय की समस्याओं को नजरअंदाज करने के आरोप लगाते हुए आप सरकार को इस मुद्दे पर घेरने में कोई कसर नहीं छोड़ी। छठ पूजा के दौरान यमुना नदी में जहरीले झाग की समस्या, आयुष्मान भारत योजना को दिल्ली में लागू नहीं होने देना, बुनियादी सुविधाओं की कमी जैसे मुद्दों ने पूर्वांचली समुदाय में असंतोष बढ़ाया। इस उपेक्षा के कारण इस समुदाय का समर्थन आप से हटकर अन्य दलों की ओर गया और इसका नुकसान आप को भुगतना पड़ा। बहरहाल, केजरीवाल का दावा था कि वे राजनीति में नैतिकता और शुचिता की राजनीति करने आए हैं लेकिन उन्होंने दूसरे राज्यों के चुनावों में जिस तरह से पैसा खर्च किया और दिल्ली में कोरोना काल के दौरान करोड़ों रुपये खर्च कर जो 'शीशमहल' बनवाया, उसे लेकर उन पर लगातार लगते रहे आरोपों का पार्टी के पास ही कोई कारगर जवाब नहीं था।

K K

राष्ट्रीय समाचार

मंगलवार 11 फरवरी 2025 ,नर्मदापुरम (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

कुंभ से लौट रहे यात्रियों का वाहन दुर्घटनाग्रस्त, तीन महिलाओं की मौत, पांच घायल

हजारीबाग,(आरएनएस)। झारखंड के हजारीबाग जिला अंतर्गत रांची-पटना रोड पर चरही घाटी में सोमवार को एक सड़क हादसे में तीन महिलाओं की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायल हो गईं। सभी महिलाएं प्रयागराज में महाकुंभ स्नान के बाद टाटा सुमो वाहन से रांची लौट रही थीं।

घायलों को इलाज के लिए हजारीबाग स्थित शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज में दाखिल कराया गया है। मृत महिलाओं की पहचान गुमला की रहने वाली अंश देवी और रांची के आईटीआई इलाके की रहने वाली संजू देवी और सोनी देवी के रूप में हुई है। घायलों में रंजू देवी, पुनीता देवी, उमा देवी, ज्योति देवी, और असिता देवी शामिल हैं।

बताया गया कि ये सभी महिलाएं एक ही परिवार की हैं। किराए का वाहन लेकर महाकुंभ स्नान करने गई थीं। वहां से लौटने के दौरान सोमवार को चालक ने सामने आ गए एक बाइक सवार को बचाने के चक्कर में सड़क किनारे खड़े ट्रक में टक्कर मार दी। इसके बाद पीछे से आ रहा एक मालवाहक ट्रेलर भी दुर्घटनाग्रस्त वाहन से टकरा गया।

वाहन में कुल 11 लोग सवार थे। इनमें से चालक समेत दो महिलाएं सुरक्षित हैं। हादसे की जानकारी मिलते ही चरही थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी पहुंचे। वाहन में फंसी सभी महिलाओं को बाहर निकालने के बाद हजारीबाग स्थित मेडिकल कॉलेज भेजा गया। वहां तीन महिलाओं को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि पांच अन्य घायलों का इलाज जारी है। हादसे की जानकारी मिलने के बाद महिलाओं के परिजन गुमला और रांची से हजारीबाग पहुंचे हैं।

सीएम देवेंद्र फडणवीस ने मनसे प्रमुख राज ठाकरे से उनके घर पर की मुलाकात

मुंबई,(आरएनएस)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे से उनके आवास पर मुलाकात की। मुख्यमंत्री बनने के बाद देवेंद्र फडणवीस की राज ठाकरे से यह पहली मुलाकात है। हालांकि, यह पता नहीं चला है कि दोनों नेताओं के बीच क्या बातचीत हुई? ऐसी संभावना है कि राज ठाकरे और भाजपा स्थानीय चुनाव में साथ आ सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, भाजपा विधान परिषद के सदस्य प्रसाद लाड के मुताबिक, राज ठाकरे ने सीएम फडणवीस को मुंबई के दादर इलाके में शिवाजी पार्क के पास स्थित अपने आवास पर आमंत्रित किया था।

परीक्षा पे चर्चा 2025 : लिखने की आदत, समय का सही उपयोग किसानों वाली डाइट, पीएम मोदी ने छात्रों को दिए खास टिप्स

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज सुबह 11 बजे परीक्षा पे चर्चा में देशभर के छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों से संवाद किया। इसमें प्रधानमंत्री मोदी के साथ कुछ अन्य विशेषज्ञ और कई मशहूर हस्तियां भी शामिल रही। इस दौरान एक छात्रा ने पीएम से पूछा कि परीक्षा में अच्छे अंक नहीं आए तो हमारा फ्यूचर अच्छा नहीं होगा। इसपर एक पीएम ने कहा कि जिंदगी में मार्क्स मायने नहीं रखते। पीएम ने कहा कि यह हमारे समाज में घुस गया है कि अगर स्कूल में इतने नंबर नहीं आए तो जिन्दगी तबाह हो जाएगी। इस समय माता-पिता को तो समझा नहीं सकते। इसके लिए अब आपको खुदको तैयार करना है।

Pariksha Pe Charc modiha: Make a habit of writing, get enough sleep... Farmer's diet, PM Modi gave tips to students in the discussion on e&amination: पीएम मोदी ने छात्रों को सेहत पर टिप्स देते हुए किसानों का जिक्र किया। पीएम मोदी ने कहा कि खाना किसानों

की तरह खाना चाहिए। इसे समझाते हुए उन्होंने कहा कि किसान सुबह के वक्त पेटभर के खाना खाते हैं। उन्होंने सेहत पर टिप्स देते हुए किसानों का जिक्र किया। फिर खेत में चले जाते हैं, वहां कुछ हल्का-फुल्का खा लेते हैं फिर सूर्यास्त से पहले घर आकर खाना खाते हैं।

पीएम ने कहा कि सामने वाले को गलती ठीक करने से पहले उसकी अच्छाई के बारे में बताइए। अगर आप डायरेक्ट बोलोंगे तो उसे लगेगा कि सिर्फ मुझे ही क्यों कहा। पीएम ने कहा कि कोई भी उम्र क्यों ना हो, हमेशा लिखने की आदत होनी चाहिए। दैसे कविताएं लिखने वाली अपने विचारों को बांधते हैं। जैसे टीचर्स एग्जाम से पहले प्रश्न और उत्तर लिखवाते हैं। इसी तरह टीचर का काम है बच्चे की ताकत को पहचानना।

पीएम ने आगे कहा कि हर छात्र के पास 24 घंटे हैं। कुछ लोग इतने में बहुच अच्छा काम कर रहे हैं। कुछ लोगों को लगता है कि कुछ हुआ ही नहीं। इसका कारण है मेनेजमेंट ना होना। उनको नहीं पता कि समय का उपयोग कैसे करना है। सबसे पहले समय पर सोचना है कि मैं अपने समय का अच्छा उपयोग कैसे करूं। कागज पर अपना टाइमटेबल लिख लीजिए कि कल ये काम करने हैं और अगले दिन फिर मार्क कीजिए कि काम हुआ या नहीं। एग्जाम में मन को कैसे शांत रखें इसपर पीएम ने कहा कि इसका मतलब यह हुआ कि आप खुदको नहीं जानते हैं। सब बच्चे ऐस ही बात करते हैं कि यार कल पढ़ा नहीं पाया। कल मूड ठीक नहीं था।

भारत ने पार की 100 गीगावाट सौर ऊर्जा क्षमता, दुनिया को दे रहा नई दिशा

-10 सालों में भारत की ऊर्जा यात्रा ऐतिहासिक और प्रेरणादायक रही

नई दिल्ली,(ए)। सरकार ने कहा कि स्वच्छ, हरित भविष्य के प्रति राष्ट्र की प्रतिबद्धता के प्रमाण के रूप में भारत ने 100 गीगावाट स्थापित सौर ऊर्जा क्षमता को पार कर लिया है। इससे अक्षय ऊर्जा में ग्लोबल लीडर के रूप में इसकी स्थिति मजबूत हुई है। 31 जनवरी तक भारत की कुल स्थापित सौर क्षमता 100.33 गीगावाट है, जिसमें 84.10 गीगावाट कार्यान्वयन के अधीन है और अतिरिक्त 47.49 गीगावाट निविदा के अधीन है। यह उल्लेखनीय उपलब्धि पीएम मोदी द्वारा 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा क्षमता के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को पाने की दिशा में एक अहम कदम है। केंद्रीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रहलाद जोशी ने कहा है कि पिछले 10 सालों में भारत की ऊर्जा यात्रा ऐतिहासिक और प्रेरणादायक रही है। सौर पैनल, सौर पार्क और रूफटॉप सौर परियोजनाओं जैसी पहलों ने क्रांतिकारी बदलाव लाए हैं। केंद्रीय मंत्री ने जोर देकर कहा कि आज भारत ने 100 गीगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल कर लिया है। ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में भारत न केवल आत्मनिर्भर बन रहा है, बल्कि दुनिया को एक नई दिशा दे रहा है।

इंफाल में कानून और व्यवस्था की अशांति की आशंकाओं के बीच थौबल में एक पुलिस स्टेशन में लूटपाट के बाद मणिपुर में प्रमुख स्थानों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है, जिसके चलते कंगला किले के सामने सुरक्षाकर्मी तैनात हैं।

सुकेश चंद्रशेखर ने पत्र लिखकर केजरीवाल को दी हार की बधाई, कहा- अहंकार के लिए अब कोई जगह नहीं

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। दिल्ली विधानसभा चुनाव में केजरीवाल को हार का सामना करना पड़ा है। इसके बाद आम आदमी पार्टी (आप) चुनावों में मिली इस हार की समीक्षा कर रही है। इस बीच दिल्ली की मंडोली जेल से सुकेश चंद्रशेखर ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखा है। इसमें दिल्ली चुनाव हार की केजरीवाल को बधाई दी है। साथ ही कहा कि अहंकार के लिए अब कोई जगह नहीं है।

सुकेश चंद्रशेखर ने पत्र में कहा कि प्रिय केजरीवाल सबसे पहले मैं आपको, मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन को अपनी सीटें हारने के लिए बधाई देता हूं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आपकी कट्टर भ्रष्ट पार्टी आम आदमी पार्टी चुनाव हार गई। यदि आपके पास मेरे पिछले पत्र सुरक्षित हैं तो कृपया उन्हें देख लें, जो मैंने 3, 6, 8 महीने पहले लिखे थे। पत्र के माध्यम से मैंने आपको चुनौती दी थी कि आप अपनी सीट हार जाएंगे और %आप% पार्टी सत्ता से बाहर हो जाएगी। अरविंद केजरीवाल आज बिल्कुल वैसा ही हुआ है। आपको बाहर निकाल दिया गया है, आपका सारा अहंकार आपके साथ ही शौचालय में बह गया है। आपके सारे जुमले उजागर हो चुके हैं।

दिल्ली की जनता ने आपको और आपकी सबसे भ्रष्ट पार्टी को सचमुच नकार दिया है। अब आपको और आपके साथियों को थोड़ी शर्म आनी चाहिए और राजनीति से संन्यास ले लेना चाहिए क्योंकि अगली बार पंजाब से भी आपका सफाया हो जाएगा।

सुकेश चंद्रशेखर ने पत्र में आगे कहा कि अरविंद केजरीवाल शर्म करो और राजनीति छोड़ दो। वैसे भी तुम्हारा सारा भ्रष्टाचार एक-एक करके उजागर होने वाला है। अब अदालत में मुकदमा चलने के दौरान साबित भी हो जाएगा। आपको याद होगा, मैंने आपको चुनौती दी थी कि मैं इस चुनाव में आपके खिलाफ चुनाव लड़ूंगा, लेकिन मैंने ऐसा नहीं किया। मैं जेल से चुनाव नहीं लड़ना चाहता था और मतदाताओं के साथ अन्याय नहीं करना चाहता था, क्योंकि मैं जेल से उनके लिए काम नहीं कर पाऊंगा। इसलिए मैं आपकी तरह यानी सत्ता के लिए स्वार्थी नहीं बनना चाहता था।

पत्र में आगे कहा कि यह बहुत अमेजिंग है कि दिल्ली की जनता ने सत्ता के लिए सही पार्टी का चयन किया। केवल भाजपा और पीएम मोदी ही हैं, जो लोगों से किए गए सभी वादों को पूरा करते हैं। अब विकास के साथ, इस डबल इंजन सरकार के तहत असंभव संभव होने जा रहा है। अरविंद केजरीवाल, अब आप खुद देख लीजिएगा, यमुना असली यमुना होगी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि दिल्ली देश का सबसे अद्भुत शहर होगा, जो हमारी राजधानी होने के नाते अपनी अलग पहचान बनाएगा।

विमान में लगे झटके, सोहेल सोते रहे और सलमान दहशत में रहे

नई दिल्ली(ए)। कितना ही बड़ा हीरो हो या पावरफुल व्यक्ति। मौत से सभी को डर लगता है। फिल्म अभिनेता सलमान खान ने एक पॉडकास्ट में एक डरावना अनुभव शेयर किया है। उनका कहना था कि एक बार हवाई सफर के दौरान टर्बुलेंस के चलते हवाई जहाज में जबरदस्त झटके लगे। वे दहशत में रहे और अभिनेता सोहेल खान आराम से सोते रहे।

सलमान खान ने कहा कि एक बार उनकी फ्लाइट में 45 मिनट तक टर्बुलेंस हुआ था। उस वक्त सभी पैसेंजर्स बहुत घबरा गए थे। सलमान खान ने एक पॉडकास्ट में बताया है कि वह आईफा अवॉर्ड समारोह से लौट रहे थे, जब यह घटना हुई। उन्होंने कहा कि हम आईफा श्रीलंका से वापस आ रहे थे। उस वक्त सभी हंस रहे थे, तभी अचानक फ्लाइट में झटके लगने लगे पहले तो यह नॉर्मल लगा, लेकिन फिर तेज आवाज होने लगी और पूरी फ्लाइट में खामोशी छा गई। सोहेल और मैं एक ही फ्लाइट में थे और जब मैंने उसे देखा तो वह सो रहा था।

शिव शक्ति प्वाइंट : चंद्रयान-3 लैंडिंग साइट 3.7 अरब वर्ष पुरानी, वैज्ञानिकों का चौंकाने वाला दावा

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। भारत के चंद्रयान-3 अंतरिक्ष यान ने 2023 में चंद्रमा के शिव शक्ति प्वाइंट पर ऐतिहासिक लैंडिंग की थी। अब, वैज्ञानिकों ने एक महत्वपूर्ण खोज की घोषणा करते हुए बताया है कि चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर स्थित यह सतह लगभग 3.7 अरब वर्ष पुरानी है।यह अध्ययन, जिसमें उच्च-रिज़ॉल्यूशन रिमोट सेंसिंग डेटासेट का उपयोग किया गया, बेंगलुरु स्थित इसरो के इलेक्ट्रो ऑप्टिक्स सिस्टम सेंटर, अहमदाबाद की फिजिकल रिसर्च लेबोरेटरी और चंडीगढ़ की पंजाब यूनिवर्सिटी के विशेषज्ञों की एक टीम द्वारा किया गया था। टीम ने चंद्रयान-3 की लैंडिंग साइट, शिव शक्ति प्वाइंट का विस्तृत मानचित्र तैयार किया।अध्ययन के अनुसार, लैंडिंग साइट को तीन मुख्य भागों में विभाजित किया जा सकता है- उच्च-रिलीफ रग्ड एरिया, स्मूथ प्लेन्स और लो-रिलीफ स्मूथ प्लेन्स। भू-राजनीतिक मानचित्र में इन क्षेत्रों को दर्शाया गया है। साइंस डायरेक्ट जर्नल में प्रकाशित एक शोध पत्र में टीम ने अनुमान लगाया कि लैंडिंग साइट 3.7 अरब वर्ष पुरानी है। यह जानना महत्वपूर्ण है कि यह वही अवधि है जब पृथ्वी पर सबसे पहले माइक्रोबियल जीवन का विकास हुआ था। रिपोर्ट के मुताबिक, शोधकर्ताओं ने लूनर रिकॉनिसेंस ऑर्बिटर (LRO) के वाइड-एंगल कैमरा और टेरेन कैमरा का उपयोग करके क्रेटर और चट्टानों का विश्लेषण किया। 500-1,150 मीटर व्यास वाले 25 क्रेटरों के विश्लेषण से लैंडिंग साइट की आयु 3.7 अरब वर्ष होने का अनुमान लगाया गया है।

विपक्ष ख्याली पुलाव पका रहा है, बिहार में NDA की सरकार बनेगी : उपेंद्र कुशवाहा

पटना (आरएनएस)। एनडीए में शामिल राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रमुख और पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा ने इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव में एनडीए की सरकार बनने की भविष्यवाणी करते हुए कहा कि विपक्ष ख्याली पुलाव पका रहा है, बिहार में 100 प्रतिशत गारंटी है कि एनडीए की सरकार बनेगी।

उन्होंने पत्रकारों से चर्चा के दौरान कहा कि दिल्ली के चुनाव का परिणाम कुछ भी होता लेकिन बिहार में स्पष्ट है कि एनडीए की सरकार बनेगी और बहुत ढंग से बनेगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बीमार होने के विपक्षी नेताओं के बयान पर पूर्व केंद्रीय मंत्री कुशवाहा ने कहा कि जिनको जो बोलना है बोलते रहें, मुख्यमंत्री फिलहाल अपनी प्रगति यात्रा पर हैं और मजबूती से अपना काम कर रहे हैं। इस यात्रा के दौरान वह लोगों के बीच जा रहे हैं।

उन्होंने हालांकि यह भी कहा कि बीमार तो कोई हो सकता है। मणिपुर के मुख्यमंत्री के इस्तीफे पर उन्होंने कहा कि इस बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है, लेकिन अगर ऐसा हुआ है तो सोच-समझकर ही फैसला लिया गया होगा या पार्टी से कुछ निर्देश प्राप्त हुआ होगा। दिल्ली चुनाव परिणाम को लेकर पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रमुख ने कहा कि दिल्ली का चुनाव परिणाम वहां की जनता का निर्णय है। ऐसा ही निर्णय जनता लेने वाली है, ऐसा पहले से ही लग रहा था। वहां के लोगों में आप के नेता अरविंद केजरीवाल के खिलाफ काफी गुस्सा था। दिल्ली में भाजपा की सरकार बनने जा रही है, यह अच्छी बात है।

बता दें कि भाजपा ने दिल्ली में 27 साल बाद स्पष्ट बहुमत हासिल किया है। दिल्ली विधानसभा की 70 सीटों में से उन्होंने 48 सीटें जीती हैं, जबकि आम आदमी पार्टी को 22 सीटें मिली हैं। कांग्रेस का खाता नहीं खुला है। इससे पहले भाजपा ने 1993 में 49 सीट जीतकर दो तिहाई बहुमत हासिल किया था।

मुंबई एयरपोर्ट पर 8 करोड़ रुपये की गांजा तस्करी के आरोप में 2 लोग गिरफ्तार

मुंबई (आरएनएस)। कस्टम्स की एयर इंटेलिजेंस यूनिट ने मुंबई एयरपोर्ट पर बैंकॉक से तस्करी कर रहे दो लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 8.155 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद हुआ है, जिसकी कीमत करीब 8.15 करोड़ रुपये बताई जा रही है।

एआईयू (एयर इंटेलिजेंस यूनिट) अधिकारियों के अनुसार, दोनों यात्री एस.एम. वाधिया और एन.एच. रावल की बैंकॉक से छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर पहुंचने के बाद संदेह के आधार पर जांच की गई। उनके सामान में हरे और सूखे पत्तियों जैसे पदार्थ के पैकेट मिले। पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने यह स्वीकार किया कि ये गांजा है और मादक पदार्थ की जांच में यह हाइड्रोपोनिक गांजा निकला। एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है और जांच जारी है। अधिकारियों का कहना है कि इस तस्करी में अन्य लोग भी शामिल हो सकते हैं, जिनकी पहचान अभी नहीं हो पाई है।इससे पहले सात फरवरी को मुंबई में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की मुंबई जोनल यूनिट ने एक बड़े अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी सिंडिकेट का पर्दाफाश किया था। एनसीबी ने इस ऑपरेशन में 11.54 किलोग्राम उच्च गुणवत्ता वाली कोकीन, 4.9 किलोग्राम हाइब्रिड स्ट्रेन हाइड्रोपोनिक वीड, 5.5 किलोग्राम कैनबिस गमीज़ (200 पैकेट) और 1,60,000 रुपये जब्त किए थे।यह कार्रवाई जनवरी के महीने में 200 ग्राम कोकीन की एक हाल की जब्ती के दौरान मिले सुरागों पर आधारित थी। इन सुरागों के आधार पर एनसीबी की टीम ने तकनीकी और मानवीय खुफिया जानकारी का उपयोग करते हुए इस मामले की जांच की थी। इसके परिणामस्वरूप, टीम ने नवी मुंबई, महाराष्ट्र में ड्रग्स और पैसे की जब्ती की, जो एक महत्वपूर्ण सफलता साबित हुई थी। इस ऑपरेशन के दौरान एनसीबी ने 4 लोगों को गिरफ्तार किया था, जो इस ड्रग तस्करी में शामिल थे।

कांग्रेस महासचिव और सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने उचक्कुलम उन्नति, मुथेदम, नीलांबुर एलएसी में हाथी के हमले में अपनी जान गंवाने वाली सरोजिनी के परिवार से मुलाकात की।

आम आदमी पार्टी पिछले दस साल से दिल्ली की जनता से झूठे वादे कर रही थी : नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़(आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिली जीत पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने आम आदमी पार्टी की हार की वजह उन झूठे वादों को बताया जो केजरीवाल ने जनता से किए थे।

उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी पिछले 10 सालों तक दिल्ली की जनता से झूठे वादे कर उन्हें अपने झांसे में लेती रही, लेकिन जब जनता इनके इरादों से वाकिफ हो गई, तो इन्हें अंत में सत्ता से बेदखल होना पड़ा।

मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि दिल्ली में भाजपा को मिली जनता ने केंद्र सरकार की कल्याणकारी नीतियों और '2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र' बनाने की दिशा में प्रधानमंत्री के विचारों पर अपनी सहमति की मुहर लगाई है।

इसके साथ ही भाजपा नेता ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अगर किसी ने सबसे ज्यादा दिल्ली की जनता को परेशान किया है, तो वो निश्चित तौर पर अरविंद केजरीवाल ही हैं, लेकिन जब लोगों ने इनके नापाक इरादों को समझ लिया, तो इन्हें सत्ता से बेदखल करके ही दम लिया।

उन्होंने केजरीवाल पर तंज कसते हुए कहा, वो अब 'आम' आदमी नहीं, बल्कि पिछले 10 सालों में वो 'खास' आदमी हो चुके हैं। लेकिन, जब वो खास आदमी बने, तो लोगों ने उन्हें नकार दिया, क्योंकि ऐसा करके अरविंद केजरीवाल अपनी सुविधाओं को बढ़ाने की कोशिश कर रहे थे, जो कि दिल्ली की जनता को बिल्कुल रास नहीं आई।भाजपा नेता ने कहा, केजरीवाल की हठधर्मिता की वजह से केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी दिल्ली की जनता को नहीं मिल रहा था। उन्होंने आयुष्मान योजना को दिल्ली में लागू नहीं करने को लेकर भी आप संयोजक पर निशाना साधा।

पहाड़ों में बर्फबारी क्या दिल्ली- यूपी में फिर लौटेगी ठंड

नई दिल्ली (ए)। मौसम विभाग के मुताबिक, दिल्ली, यूपी में तापमान में बढ़ोतरी होने की संभावना है। वहीं जम्मू-कश्मीर में अगले तीन दिनों तक तक हल्की बारिश और बर्फबारी होने का अनुमान है। देशभर के ज्यादातर राज्यों में मौसम में लगातार बदलाव हो रहा है। तापमान में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, जिसकी वजह से फरवरी में ही लोगों को अप्रैल वाली गर्मी का एहसास हो रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक, दक्षिण भारत के अधिकांश हिस्सों में पारा 30 पार कर गया है। वहीं आने वाले दिनों में तापमान में और बढ़ोतरी होने का अनुमान है। आईएमडी के आंकड़ों के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 10 फरवरी को अधिकतम तापमान 26-28 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 8-10 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। विभाग के मुताबिक, दिल्ली में सोमवार सुबह के समय और रात के वक्त धुंध/हल्का कोहरा छाने की संभावना है। साथ ही कुछ इलाकों में दिन के वक्त बादल छाए रहेंगे। मौसम विभाग के जारी किए गए डाटा के अनुसार, दिल्ली में अधिकतम तापमान 27.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो इस मौसम के औसत तापमान से चार डिग्री अधिक है और इस साल में अब तक का सबसे अधिक तापमान भी रहा। इससे पहले 31 जनवरी को सबसे अधिक 27 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया था।

दिव्या खोसला ने ग्लैमरस अवतार में गिराई बिजली, एक्ट्रेस की हॉटनेस ने बढ़ाया तापमान

अपनी खूबसूरती से हमेशा फैंस का दिल जीतने वाली एक्ट्रेस दिव्या खोसला कुमार आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। एक्ट्रेस और प्रोड्यूसर दिव्या खोसला ने अपने ग्लैमरस अवतार से सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है. हाल ही में दिव्या ने अपनी नई तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कीं, जिसमें वह सिल्वर कलर की बॉडी-हगिंग ड्रेस में बेहद खूबसूरत और स्टाइलिश नजर आ रही हैं. इन तस्वीरों में दिव्या का ग्लैमरस अंदाज उनके फैंस को दीवाना बना रहा है. एक्ट्रेस ने अपने पोस्ट में लिखा, शिम्मर एंड शाइन फॉर आयकॉनिक गोल्ड अवार्ड्स. बेस्ट एक्ट्रेस क्रिटिक्स अवार्ड के लिए धन्यवाद.दिव्या ने अपनी ड्रेस को काइकोडएचसी से स्टाइल किया है और उनके लुक को सुकृतिग्रोवर ने तैयार किया है. उनका मेकअप और हेयरस्टाइल भी पूरी तरह से उनके लुक को कॉम्प्लिमेंट कर रहा है.ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि दिव्या खोसला कुमार खूबसूरती और बोल्डनेस का कॉकटेल हैं।बता दें कि फिल्मों की तरह असल जिंदगी में दिव्या खोसला कुमार काफी खूबसूरत दिखती हैं।इसके साथ ही एक्ट्रेस दिव्या खोसला कुमार इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीरें भी पोस्ट करती हैं।फैंस ने कमेंट सेक्शन में जमकर तारीफ की है. कोई उनकी खूबसूरती की तारीफ कर रहा है तो कोई उन्हें 'स्टनिंग' कह रहा है. दिव्या की यह पोस्ट कुछ ही घंटों में लाखों लाइक्स और हजारों कमेंट्स बटोर चुकी है।

शिवांगी वर्मा ने बताया, बैडएस रवि कुमार में कैमियो के लिए क्यों हुई तैयार

हिमेश रेशमिया स्टारर हालिया रिलीज फिल्म बैडएस रवि कुमार में अभिनेत्री शिवांगी वर्मा ने कैमियो भूमिका निभाई है। फिल्म में वर्मा, प्रभु देवा की प्रेमिका की भूमिका में नजर आई हैं। उन्होंने बताया कि इस रोल के लिए उन्होंने हामी क्यों भरी। अभिनेत्री ने उन कारणों का खुलासा किया, जिनकी वजह से उन्हें यह भूमिका निभाने का मौका मिला। फिल्म में प्रभु देवा के साथ कैमियो रोल में नजर आईं शिवांगी ने इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर की। हालांकि, उनकी भूमिका छोटी है, लेकिन वह प्रभु के साथ काम करने के अवसर और अनुभव को महत्वपूर्ण मानती हैं।

वर्मा ने बताया, मैंने फिल्म में प्रभु देवा के साथ उनकी प्रेमिका की भूमिका निभाई है। यह एक छोटी सी भूमिका है, लेकिन मैंने इसके लिए हां कहा, क्योंकि यह हिमेश रेशमिया का प्रोजेक्ट था। मैं उनके साथ दूसरी बार काम कर रही हूं। फिल्म रिलीज हो चुकी है और दर्शकों की ओर से शानदार प्रतिक्रिया सामने आई। मैं हिमेश रेशमिया की हमेशा से फैन रही हूं और उनके साथ यह मेरा दूसरा प्रोजेक्ट है, जो इसे और भी खास बनाता है। हर प्रोजेक्ट में वह जिस एनर्जी, विजन और जुनून के साथ काम करते हैं, वह बेमिसाल है।

अभिनेत्री ने आगे कहा, यह फिल्म मेरे दिल के करीब है क्योंकि मैंने हिमेश के साथ साल 2007 में आई फिल्म आपका सुरूर में 'तेरे प्यार में' गाना गाया था। यह गाना बैडएस रवि कुमार में भी है! बस अंतर इतना है कि इस बार वह इसमें किसी दूसरी हीरोइन के साथ हैं लेकिन गाने का जादू वही है।

अभिनेत्री ने आगे कहा कि बैडएस रवि कुमार फिल्म में वह सब कुछ है, जो आप हिमेश रेशमिया की फिल्म से उम्मीद करते हैं। फिल्म में हाई-एनर्जी, सुपर एंटरटेनिंग, ज्ञान से भरपूर उनका विजन है। फिल्म के माध्यम से उन्होंने दर्शकों को एक ऐसी कहानी दी है, जिसे दर्शक कभी नहीं भूल सकते।

शिवांगी ने आगे बताया, शूट के लिए मुंबई से मस्कट तक का मेरा सफर बेहद सहज और आसान रहा। पहले दिन से ही सब कुछ जाना-पहचाना और सहज लगा। मेरा पहला दिन कॉस्ट्यूम ट्रायल था। टीम में पुराने लोगों को देखकर मुझे खुशी हुई। टीम के सदस्य हिमेश रेशमिया मेरे पहले एल्बम में भी थे। जाने-पहचाने चेहरों को देखकर मुझे घर जैसा महसूस हुआ और मैं उसी समय समझ गई थी कि इस प्रोजेक्ट के साथ मुझे खास अनुभव होने वाला है।

अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट के बारे में वर्मा ने बताया, मैं एक फिल्म की शूटिंग कर रही हूं। मेरे साथ फिल्म में अभिनेता गोविंद नामदेव सर हैं और मैं अपना तीसरा शेड्यूल पूरा करने वाली हूं। उम्मीद है कि सब कुछ अच्छा होगा।

छावा की एडवांस बुकिंग शुरू, निर्माताओं ने नए पोस्टर के साथ साझा किया अपडेट

इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शामिल छावा को बड़े परदे पर देखने के लिए फैंस उत्साहित हैं। फिल्म अपनी रिलीज से चंद कदम दूर है। फिल्म की एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी है। मेकर्स ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए यह जानकारी साझा की है। फिल्म छावा 14 फरवरी को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह मराठा सम्राट छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन पर आधारित ऐतिहासिक ड्रामा फिल्म है। मेकर्स ने आज फिल्म के पोस्टर साझा किए हैं। इसके साथ लिखा है, छत्रपति संभाजी महाराज की वीरता और बलिदान की कहानी अब बड़े परदे पर बस पांच दिनों में। एडवांस बुकिंग वर्ल्डवाइड शुरू हो चुकी है।इसके अलावा मैडॉक के इंस्टाग्राम अकाउंट से रश्मिका मंदाना के भी फिल्म से नए पोस्टर रिलीज हुए हैं। रश्मिका इस फिल्म में येसुबाई के रोल में नजर आएंगी। उनके पोस्टर के साथ लिखा है, एक रानी, एक मां, एक शक्ति जो स्वराज्य के लिए हर अग्नि परीक्षा से गुजरी!

सनम तेरी कसम ने रचा इतिहास, 2 दिन में तोड़ डाला अपना 9 साल पुराना रिकॉर्ड

इन दिनों सिनेमाघरों में कई फिल्में लगी हैं, वहीं कुछ फिल्में ऐसी भी हैं, जिन्हें दोबारा पर्दे पर लाया गया है। इन्हीं में से एक सनम तेरी कसम। खास बात यह है कि जब यह फिल्म रिलीज हुई थी तो बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप रही थी, लेकिन अब जबकि यह दोबार पर्दे पर आई है तो इसने 2 दिन में ही अपना पुराना रिकॉर्ड तोड़ डाला है।फिल्म शानदार कमाई कर रही है। सनम तेरी कसम 7 फरवरी को सिनेमाघरों में दोबारा रिलीज हुई थी। फिल्म ने दो दिन के अंदर बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रच दिया है। पहले दिन इस फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर जहां 5.14 करोड़ रुपये से खाता खोला था, वहीं अब दूसरे दिन भी इसने ताबड़तोड़ कमाई की है।सैकनिल्क के मुताबिक, दूसरे दिन यानी शनिवार को इस फिल्म ने 6.22 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इसकी 2 दिन की कमाई 11.36 करोड़ रुपये हो गई है।सनम तेरी कसम ने री-रिलीज के मात्र 2 दिन के अंदर अपने पुराने रिकॉर्ड को तोड़ दिया है।9 साल पहले इस फिल्म ने लाइफटाइम कलेक्शन 9 करोड़ रुपये किया था और री-रिलीज में इसने 2 दिन में ही 11 करोड़ कमा लिए हैं।बात सिर्फ अपना रिकॉर्ड तोड़ने की नही हैं। सनम तेरी कसम ने बीते शुक्रवार रिलीज हुई खुशी कपूर की लवयापा और हिमेश रेशमिया की बैडएस रविकुमार के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन को भी पीछे छोड़ दिया है।साल 2016 में जब सनम तेरी कसम फिल्म रिलीज हुई थी तो इसे दर्शकों ने ज्यादा भाव नहीं दिए थे।

विजय देवरकोंडा के फैंस को मिला तोहफा, फिल्म वीडी12 की टीजर रिलीज डेट से उठा पर्दा

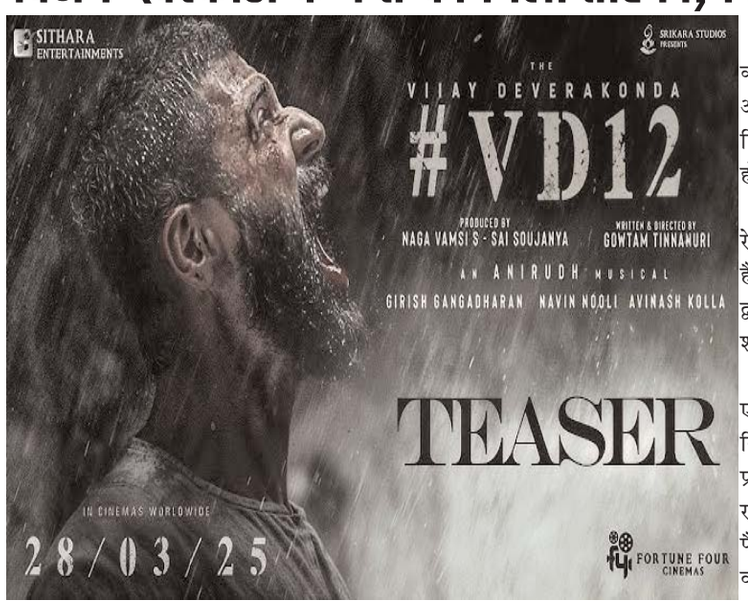

साउथ सुपरस्टार विजय देवरकोंडा इन दिनों काफी चर्चा में हैं। फैंस उनकी आने वाली फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में उनकी फिल्म वीडी12 से एक बड़ी अपडेट सामने आई है। इस अपडेट को सुनने के बाद फैंस के बीच खुशी का माहौल है। विजय देवरकोंडा की फिल्म वीडी12 की टीजर रिलीज डेट सामने आ गई है। आइए जानते हैं इसका टीजर कब रिलीज होने वाला है।

विजय देवरकोंडा की फिल्म वीडी12 का टीजर 12 फरवरी को रिलीज होने वाला है। अर्जुन रेड्डी के बाद विजय देवरकोंडा इस फिल्म में जबरदस्त एक्शन जॉनर की फिल्म में नजर आने वाले हैं। फैंस विजय देवरकोंडा की फिल्म पर कड़ी नजर रख रहे हैं। आपको बता दें कि गौतम तिन्नानुरी द्वारा निर्देशित यह फिल्म दो साल से ज्यादा समय से बन रही है, जिसका एक बड़ा हिस्सा अभी शूट होना बाकी है। अब फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

इस फिल्म का बैकग्राउंड स्कोर अनिरुद्ध ने तैयार किया है। विजय देवरकोंडा ने हाल ही में एक छोटा सा ब्रेक लिया था, वह अगले हफ्ते से फिल्म की शूटिंग फिर से शुरू करने जा रहे हैं। विजय देवरकोंडा हाल ही में अपनी मां के साथ महाकुंभ के त्रिवेणी संगम में पवित्र स्नान करने प्रयागराज पहुंचे हैं। विजय देवरकोंडा का यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। फैन्स भी इस वीडियो को काफी पसंद कर रहे हैं। इस वीडियो में विजय देवरकोंडा बैगी पैंट के साथ सफेद ओवरसाइज्ड शर्ट पहने नजर आए। एक्टर ने मुंह पर मास्क पहना हुआ था। वहीं उनकी मां ने पिंक ओवरसाइज्ड कुर्ता पहना था।

केमिकल फ्री हर्बल डिओड्रेंट घर पर कैसे बनाएं? यहां जानिए पैसे बचाने का अनोखा तरीका

मौसम करवट बदलने लगा है. दिन में तेज धूप और रात में ठंड हो रही है.दिन में बाहर निकलने पर अब थोड़ा पसीना आने लगा है. बाहर के तापमान से शरीर का तापमान बैलेंस करने के लिए शरीर पसीना बनाता है. पसीना आने के साथ इसकी बदबू की समस्या भी गर्मियों में ज्यादा देखने को मिलती है. ऐसे में बदबू से बचने के लिए लोग डिओड्रेंट का इस्तेमाल करते हैं. यूं तो बाजार में कई सारे डिओड्रेंट के ऑप्शन मौजूद हैं. लेकिन इन सभी में केमिकल होते हैं. अगर आप अपने पैसे बचाना चाहते हैं और केमिकल-फ्री प्रोडक्ट यूज करना चाहते हैं तो आप घर पर ही हर्बल डिओड्रेंट बना सकते हैं. आइए जानते हैं इसके बारे में।

खीरा और पुदीना से तैयार करें डिओड्रेंट

यह डिओड्रेंट स्प्रे स्किन को रिफ्रेशिंग और कूलिंग इफेक्ट देता है. खीरे से स्किन को ठंडक मिलती है, वहीं पुदीना एक रिफ्रेशिंग अहसास करवाता है. विच हेजल से पसीने को कम करने में नेचुरली मदद मिलती है।

इन चीजों की पड़ेगी जरूरत
आधा कप खीरे का रस
एक चौथाई कप विच हेजल
5-6 बूंदें पेपरमिंट एसेंशियल ऑयल
5-6 बूंदें नींबू एसेंशियल ऑयल
खीरा और पुदीना का डिओड्रेंट कैसे बनाएं?
सभी सामग्री को एक स्प्रे बोतल में मिला लें.
आपका डिओड्रेंट स्प्रे बनकर तैयार है.
इस्तेमाल करने से पहले अच्छी तरह हिलाएं.

नीम और चंदन पाउडर से बनाएं डिओड्रेंट

आप नीम और चंदन पाउडर की मदद से डिओड्रेंट बनाकर इस्तेमाल कर सकती हैं. जहां नीम बैक्टीरिया से लड़ने के साथ-साथ बदबू को रोकता है. वहीं, चंदन की खुशबू से आप पूरा दिन महकते हैं.

इन चीजों की पड़ेगी जरूरत
2 चम्मच नीम पाउडर
2 चम्मच चंदन पाउडर
1 चम्मच बेंटोनाइट क्ले
4-5 बूंदें लैवेंडर एसेंशियल ऑयल
नीम और चंदन पाउडर का डिओड्रेंट कैसे बनाएं?
सबसे पहले एक बाउल में सभी पाउडर को मिला लें.
अब इसमें एसेंशियल ऑयल डालकर मिक्स करें.
अब आप इसे एक कंटेनर में स्टोर करें.
डिओड्रेंट को पाउडर पफ या उंगलियों की मदद से लगाया जा सकता है.

लैवेंडर और नारियल दूध से बनाएं डिओड्रेंट

नारियल के दूध और लैवेंडर की मदद से डिओड्रेंट बनाना भी एक अच्छा आइडिया है. जहां नारियल का दूध स्किन को नमी देता है, वहीं लैवेंडर की खुशबू काफी अच्छी लगती है.

इन चीजों की पड़ेगी जरूरत
2 बड़े चम्मच नारियल का दूध
2 बड़े चम्मच बेकिंग सोडा
1 बड़ा चम्मच अरारोट पाउडर
5-6 बूंदें लैवेंडर एसेंशियल ऑयल
डिओड्रेंट बनाने का तरीका

सबसे पहले नारियल का दूध, बेकिंग सोडा और अरारोट पाउडर को अच्छी तरह मिक्स कर लें, जिससे चिकना पेस्ट बन जाए.अब इसमें लैवेंडर ऑयल डालकर अच्छी तरह मिक्स करें.तैयार डिओड्रेंट को स्टोर करें और थोड़ी मात्रा में इस्तेमाल करें।

सिजेरियन डिलीवरी के साइड इफेक्ट क्या हैं? स्टडी में खुलासा सी-सेक्शन मां और बच्चे दोनों के लिए खतरनाक

आजकल किसी से भी पूछो अधिकांश गर्भवती महिलाओं की डिलीवरी नॉर्मल की बजाय सी-सेक्शन से कराई जा रही है. एक स्टडी के अनुसार भारत में 29 फीसदी से ज्यादा डिलीवरी सिजेरियन हो रहीं हैं, जिनका सामान्य प्रसव किया जा सकता था. वहीं विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी भारत में इसकी संख्या को घटाने की सिफारिश की है. पीयर-रिव्यू जर्नल BMC प्रेग्नेंसी एंड चाइल्डबर्थ में पब्लिश एक स्टडी रिपोर्ट के अनुसार सिजेरियन के कई साइड इफेक्ट हैं.

सिजेरियन यानी सी-सेक्शन डिलीवरी मां और बच्चे दोनों के लिए ही खतरनाक है. वहीं इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मद्रास (IIT Madras) की एक स्टडी में ये खुलासा हुआ है. जिसमें बताया गया है कि पिछले 5 से 8 साल में देश में सिजेरियन (Cesarean) की मदद से बच्चों के जन्म होने के मामले काफी ज्यादा बढ़े हैं. आइए जानते हैं इसके बारे में विस्तार से.

भारत में कितनी बढ़ी सिजेरियन डिलीवरी

स्टडी के अनुसार भारत में 2016 से 2021 तक सिजेरियन सेक्शन से डिलीवरी में इजाफा हुआ है. इसकी संख्या पहले 17.2 परसेंट थी, जोकि बढ़कर 21.5: तक पहुंच गई है. स्टडी में पाया गया कि प्रेग्नेंसी में ज्यादा वजन और अधिक उम्र (35-49 साल) की महिलाओं में सिजेरियन डिलीवरी होने की संख्या दोगुनी थी।

सिजेरियन के साइड इफेक्ट

संक्रमण का खतरा

सिजेरियन डिलीवरी के दौरान महिलाओं के पेट में गहरा कट लगता है. इसकी रिकवरी के लिए डॉक्टर कई दवाइयां देते हैं. लेकिन अगर आपने घाव को लेकर जरा भी लापरवाही बरती तो घाव में संक्रमण का खतरा रहता है. संक्रमण होने पर घाव में सूजन, रेडनेस और इचिंग जैसे लक्षण नजर आते हैं।

ब्लैडर में नुकसान

सिजेरियन डिलीवरी के बाद ब्लैडर में नुकसान होने का खतरा रहता है. किडनी में भी नुकसान हो सकता है. इससे रिकवरी के लिए महिला को एक और सर्जरी से गुजरना पड़ सकता है. हालांकि, इसके मामले कम ही देखने को मिलते हैं.

गर्भाशय की लाइनिंग में संक्रमण

सिजेरियन डिलीवरी के बाद गर्भाशय की लाइनिंग में इंफेक्शन का डर रहता है. इसके लक्षणों की बात करें तो बुखार, पेट में दर्द और असामान्य वजाइनल डिस्चार्ज हो सकता है. यही नहीं, सिजेरियन डिलीवरी के बाद कुछ महिलाओं को अगर वूम्बर लाइनिंग इंफेक्शन हो जाए, तो हैवी ब्लीडिंग की समस्या भी हो सकती है।

गर्भाशय में सूजन

यूं तो डिलवरी के बाद महिलाओं के गर्भाशय में सूजन रहती है, जो करीब 6 सप्ताह बाद सामान्य अवस्था में लौट आती है. लेकिन सही नहीं होने पर कंडीशन के बिगड़ने का रिस्क रहता है।

यमन : सुरक्षा बलों ने हूती विद्रोहियों के हमलों को किया नाकाम, दो की मौत

अदन ,(आरएनएस)। यमन के सरकारी बलों ने देश के तेल समृद्ध प्रांत मारिब को निशाना बनाकर किए गए हूती समूह के कई हमलों को विफल कर दिया। इसमें दो हूती विद्रोही मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। एक सैन्य अधिकारी ने यह जानकारी सिन्हुआ को दी। स्थानीय सैन्य अधिकारी ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर बताया, पिछले 48 घंटों के दौरान हूती विद्रोहियों ने तेल समृद्ध मारिब प्रांत पर हमले तेज कर दिए थे, जिसके जवाब में सरकारी बलों ने मारिब के कई युद्ध क्षेत्रों में अभियान चलाया।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, अधिकारी ने कहा कि सरकारी बलों ने उत्तरी मारिब में राघवान मोर्चे पर हूती आक्रमणों को सफलतापूर्वक विफल कर दिया। इससे हूती विद्रोहियों को पीछे हटने पर मजबूर होना पड़ा। उन्होंने कहा कि हूतियों को तगड़ा नुकसान हुआ है।

सरकारी अधिकारी ने हूती विद्रोहियों पर भारी तोपखाने, कत्यूषा रॉकेट, ड्रोन और स्नाइपर्स सहित कई हथियार प्रणालियों का उपयोग करके आक्रामक कार्रवाई जारी रखने का आरोप लगाया।

हूती समूह ने मारिब में इन कथित सैन्य घटनाक्रमों पर तुरंत कोई प्रतिक्रिया जारी नहीं की है।

यमन के सबसे बड़े तेल क्षेत्रों का घर मारिब प्रांत हाल के वर्षों में तेज लड़ाई का केंद्र बिंदु रहा है। इसमें हूती बलों ने हाल के वर्षों में महत्वपूर्ण बाहरी क्षेत्रों पर नियंत्रण कर लिया है। हालांकि, अप्रैल 2022 में संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता से छह महीने तक चलने वाले युद्ध विराम के प्रभावी होने के बाद से झड़पों में कमी आई है।

हालांकि युद्धविराम आधिकारिक तौर पर अक्टूबर 2022 में समाप्त हो गया, लेकिन अधिकांश सीमाओं पर लड़ाई अपेक्षाकृत कम रही है। अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मध्यस्थों ने संघर्ष विराम को बहाल करने और लंबे संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान पर जोर देने के प्रयास जारी रखे हैं।

हमास नेताओं से मिले ईरान के सर्वोच्च नेता, कहा - आपने इजरायल को हराया

तेहरान,(आरएनएस)। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने शनिवार को तेहरान में हमास के कार्यवाहक नेता खलील अल-हय्या और फिलिस्तीनी समूह के दो अन्य नेताओं से मुलाकात की। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईरानी राज्य टीवी ने यह जानकारी दी।

खामेनेई, ने फिलिस्तीनी प्रतिनिधिमंडल से कहा, आपने जायोनी शासन [इजरायल] को हराया, जो वास्तव में अमेरिका की हार थी। आपने उन्हें उनके किसी भी लक्ष्य को हासिल करने नहीं दिया।

ईरानी टीवी ने कहा कि फिलिस्तीनी नेता 1979 की ईरानी क्रांति की वर्षगांठ पर खामेनेई को बधाई देने के लिए तेहरान में थे। उन्होंने ईरान के निरंतर समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया।प्रतिनिधिमंडल में हमास के नेतृत्व परिषद के प्रमुख मोहम्मद दरवेश और हमास के शीर्ष अधिकारी निजार अवदल्लाह भी शामिल थे। उन्होंने खामेनेई को गाजा और पश्चिमी तट की मौजूदा स्थिति और हासिल की गई जीत और सफलताओं पर एक रिपोर्ट सौंपी।ईरानी मीडिया के मुताबिक खामेनेई ने कहा कि ईरान के खिलाफ अमेरिकी धमकियों का हमारे राष्ट्र की मानसिकता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।ईरान हमास का समर्थक रहा है। गाजा युद्ध के दौरान भी वह फिलिस्तीनी ग्रुप के साथ खड़ा रहा।इस बीच हमास ने गाजा युद्ध विराम समझौते के तहत शनिवार को तीन औरइजरायली पुरुष बंधकों को गाजा युद्ध विराम समझौते के तहत मुक्त कर दिया। तीनों को 7 अक्टूबर के हमले के दौरान हमास के लड़ाकों ने बंधक बनाया था। इसके बदले में शनिवार को इजरायल 183 फिलिस्तीनियों कैदियों को रिहा करने वाला है।

राष्ट्रपति ट्रंप का एक और बड़ा ऐलान, स्टील और एल्युमीनियम आयात पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने का लिया फैसला

वाशिंगटन ,(आरएनएस)। डोनाल्ड ट्रंप जब से अमेरिका के राष्ट्रपित बने हैं उन्होंने अपने फैसलों से सबक चौंकाया है। उनके फैसलों का असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। अब डोनाल्ड ट्रंप ने एक नया एलान किया है, उन्होंने कहा है कि वे स्टील और एल्युमीनियम के आयात पर 25 फीसदी टैरिफ लगाएंगे। इस संबंध में ट्रंप जल्द ही आधिकारिक एलान करेंगे।

मीडिया से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि वे विभिन्न देशों पर पारस्परिक टैरिफ भी लगाएंगे। हालांकि उन्होंने ये नहीं बताया कि वे किस पर पारस्परिक टैरिफ लगाने जा रहे हैं, लेकिन उन्होंने इसके संकेत दिए कि जो भी देश अमेरिका पर ज्यादा टैरिफ लगाता है, वे भी उस देश पर उतना ही टैरिफ लगाएंगे। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान भी स्टील पर 25 प्रतिशत और एल्युमीनियम पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगाया था।स्टील और एल्युमीनियम पर टैरिफ लगाने के ट्रंप के फैसले से जो देश सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे, उनमें कनाडा, मेक्सिको और ब्राजील का नाम शामिल है। आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका अपना स्टील सबसे ज्यादा कनाडा, ब्राजील और मेक्सिको से ही मंगवाता है। इनके अलावा अमेरिका दक्षिण कोरिया, वियतनाम से भी स्टील मंगवाता है तो ट्रंप के टैरिफ लगाने के फैसले से ये देश सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे।गौरतलब है कि ट्रंप ने कनाडा और मेक्सिको पर बीते दिनों 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का एलान किया था। हालांकि बाद में ट्रंप ने दोनों देशों पर टैरिफ लगाने के अपने फैसले को 30 दिनों के लिए टाल दिया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ट्रंप फार्मास्यूटिकल, तेल और सेमीकंडक्टर जैसी चीजों पर भी टैरिफ लगा सकते हैं और फिलहाल इस पर विचार हो रहा है।

गाजा का नेत्जारिम कॉरिडोर क्या है ? जहां से इजरायली सेना को करनी पड़ी वापसी

तेल अवीव (ए)। इजरायली सैनिकों ने नेत्जारिम कॉरिडोर से वापसी कर ली है। सैकड़ों फिलिस्तीनी कारों, गद्दों और अन्य सामानों से लदे ठेलों में सवार होकर उत्तरी गाजा की ओर लौटने लगे हैं। इजरायली सेना की वापसी पिछले महीने इजरायल और हमास के बीच हुए युद्ध विराम समझौते के पहले चरण के तहत हुई है।नेत्जारिम कॉरिडोर एक ऐसा सैन्य है जो गाजा पट्टी के उत्तरी भाग को दक्षिणी भाग से अलग करता है। गाजा युद्ध विराम समझौते के अनुसार, वापसी की समय सीमा 9 फरवरी थी।अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक इजरायल ने गाजा पर अपने युद्ध की शुरुआत में इस गलियारे का निर्माण किया था। यह एक बंद सैन्य क्षेत्र है जो इजरायल की गाजा सीमा से भूमध्य सागर तक फैला हुआ है और लगभग 6 किमी (3.7 मील) चौड़ा है।

यह गलियारा इजरायली सेना का रणनीतिक कदम था - जिससे उसे पहुंच, नियंत्रण और निगरानी मिल गई।रविवार को हमास के एक अधिकारी ने सलाह अल-दीन स्ट्रीट का जिक्र करते हुए कहा, इजरायली बलों ने अपने ठिकानों और सैन्य चौकियों को ध्वस्त कर दिया है और सलाहेद्दीन रोड पर नेत्जारिम कॉरिडोर से अपने टैंकों को पूरी तरह से हटा लिया है, जिससे वाहनों को दोनों दिशाओं में स्वतंत्र रूप से गुजरने की अनुमति मिल गई है।

दुनिया के हर विवाद के पीछे अमेरिका : किम जोंग उन

सोल ,(आरएनएस)। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन ने आरोप लगाया कि विश्व के विवादों के पीछे अमेरिका खड़ा है। उन्होंने देश की

परमाणु शक्तियों को और विकसित करने की नीति पर जोर दिया। उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया ने रविवार को यह जानकारी दी।

योनहाप ने कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) के हवाले से बताया कि किम ने यह टिप्पणी शनिवार को राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय के दौरे के दौरान की थी।

किम अपने सशस्त्र बलों, कोरियाई पीपुल्स आर्मी की स्थापना की 77वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में रक्षा मंत्रालय में गए थे।केसीएनए ने कहा कि मंत्रालय के सैन्य और राजनीतिक कमांडिंग अधिकारियों को संबोधित करते हुए किम ने सभी प्रतिरोधों को मजबूत करने के लिए कई नई योजनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने देश की परमाणु शक्तियों को और अधिक विकसित करने की अडिग नीति की पुष्टि की।किम जोंग उन ने अमेरिका पर दुनिया के बड़े, छोटे विवादों और रक्तपात की त्रासदियों के पीछे हमेशा खड़े रहने का आरोप लगाया। उन्होंने रूस-यूक्रेन युद्ध के लिए भी अमेरिका को दोषी ठहराया और इस बात पर गंभीर चिंता व्यक्त की कि अमेरिका और पश्चिमी देश रूस को रणनीतिक नुकसान पहुंचाने के अवास्तविक सपने के साथ युद्ध को लंबा खींच रहे हैं।किम ने पिछले वर्ष रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ हस्ताक्षरित पारस्परिक रक्षा संधि का हवाला देते हुए कहा कि उत्तर कोरिया की सेना और लोग रूसी सेना और लोगों के न्यायोचित उद्देश्य का सदैव समर्थन और प्रोत्साहन करेंगे।

हिंसा फैलाने वाले शैतानों के खिलाफ सरकार की बड़ी कार्रवाई, 1300 से ज्यादा गिरफ्तार

ढाका ,(आरएनएस)। बांग्लादेश के सुरक्षा बलों ने शनिवार को शुरू किए गए एक बड़े एक्शन में सोमवार तक 1,300 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई का उद्देश्य पिछले कुछ दिनों से देश में जारी हिंसा की नई लहर को दबाना है।देशव्यापी अभियान को ऑपरेशन डेविल हंट नाम दिया गया है।मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के परिवार और उनकी अवामी लीग पार्टी के प्रमुख सदस्यों से जुड़ी संपत्तियों को निशाना बनाए जाने के बाद यह ऑपरेशन शुरु किया।हिंसा तेज से पूरे देश में फैल गई, भीड़ ने अवामी लीग के प्रतीकों को निशाना बनाया और राजनीतिक गुटों के बीच तनाव बढ़ गया।शुक्रवार रात गाजीपुर जिले में छात्रों और नागरिकों पर हमले के बाद अंतरिम सरकार ने शनिवार को ऑपरेशन डेविल हंट का आदेश दिया।ऑपरेशन में शामिल संयुक्त बलों में सेना के जवान, पुलिस और विशेष इकाइयां शामिल हैं। अब तक, अधिकारियों ने पिछले चार दिनों में देश में फैली अशांति और हिंसा के सिलसिले में 1,300 लोगों को गिरफ्तार किया है।

लेबनान में इजरायली ड्रोन हमला, 6 की मौत, दो घायल

बेरूत,(आरएनएस)। लेबनान में इजरायली ड्रोन हमले में छह लोगों के मारे जाने और दो अन्य लोगों के घायल होने की पुष्टि हुई है। यह हमला लेबनान की पूर्वी बेका घाटी में जनता शहर के पास अल-शारा क्षेत्र को निशाना बनाकर किया गया।सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने सरकारी समाचार एजेंसी (एनएए) के हवाले से बताया कि इजरायली लड़ाकू विमान दक्षिणी लेबनान के ऊपर मध्यम ऊंचाई पर उड़ानें भर रहे थे। इजरायली सेना ने दक्षिणी लेबनान में सीमा क्षेत्र के पूर्वी इलाके में स्थित अदाइसेह गांव में विस्फोट अभियान चलाया।एनएए के अनुसार, पश्चिमी और मध्य दक्षिणी लेबनान में कई नगर पालिकाओं ने लोगों को इजरायली बलों की ओर से छोड़ी गई बारूदी सुरंगों की मौजूदगी के बारे में चेतावनी जारी की। इनमें से कुछ को नागरिकों को निशाना बनाने वाले जाल में बदल दिया गया था।घंटों बाद, इजरायली सेना ने कहा कि उसकी वायु सेना ने बेका घाटी में हिजबुल्लाह के एक टारगेट को निशाना बनाया।इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने दावा किया कि हमले ने हिजबुल्लाह से संबंधित हथियार निर्माण और भंडारण स्थल को निशाना बनाया। उसने इस जगह पर ऐसी गतिविधि को इजरायल और लेबनान के बीच समझ का व्यापक उल्लंघन बताया।

खेल समाचार

रोहित शर्मा का धुआंधार शतक के साथ फॉर्म में लौटना टीम इंडिया के लिए शुभ संकेत

नई दिल्ली,(आरएनएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा का चैंपियंस ट्रॉफी से पहले फॉर्म में लौटना टीम इंडिया के लिए शुभ संकेत है। रोहित ने अपनी हिटमैन इमेज के साथ न्याय करते हुए इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे वनडे मैच में शानदार शतकीय पारी खेली और एक बार चिर-परिचित अंदाज में दिखाई दिए। रोहित ने धुआंधार पारी खेलते हुए केवल 90 गेंदों पर 119 रन बनाए।

कप्तान रोहित शर्मा को इस पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड भी दिया गया क्योंकि भारत ने इंग्लैंड द्वारा बनाए गए 304 रनों के स्कोर के जवाब में 44.3 ओवर में ही 308 रन बनाकर मैच और सीरीज जीत ली है। हालांकि, तीन मैचों की सीरीज में एक और मुकाबला अभी बाकी है।

रोहित का अंदाज शानदार रहा क्योंकि उन्होंने 76 गेंदों पर यह शतक लगाकर अपने वनडे करियर की दूसरी सबसे तेज सेंचुरी लगाई। खराब फॉर्म से जूझ रहे किसी दिग्गज के लिए यह आंकड़ा उसकी क्लास को बयां करने के लिए काफी है। यह हेड कोच गौतम गंभीर के उस बयान से भी पूरी तरह मेल खाता है कि रोहित और कोहली जैसे सीनियर खिलाड़ियों में देश के लिए खेलने और रन बनाने की भूख

अभी बहुत बाकी है।

रोहित ने इससे पहले सबसे तेज शतक 63 गेंदों पर दिल्ली में अफगानिस्तान के खिलाफ बनाया था। कुल मिलाकर यह रोहित की वापसी है और आगे उनको यह लय बरकरार रखनी होगी। वह ऐसा करेंगे तो भारत के लिए चैंपियंस ट्रॉफी जैसे एक और बड़े आईसीसी टूर्नामेंट में खिताब के प्रबल दावेदार होंगे। इससे पहले रोहित की अगुवाई में भारत ने आईसीसी टी20 विश्व कप जीता था।रोहित ने एक कप्तान के तौर पर भी यह शानदार जीत हासिल की। ऐसे कप्तान जिन्होंने 50 वनडे मैच में टीम का नेतृत्व किया, उनमें रोहित का स्थान भी ऊंचा है। वह अब तक 36 वनडे जीत दर्ज कर चुके हैं। इस मामले में क्लाइव लॉयड, रिकी पोंटिंग और विराट कोहली जैसे कप्तान 39 जीत दर्ज कर चुके हैं।भारतीय टीम इस मुकाबले में विराट कोहली के साथ उतरी थी। हालांकि, भारत के पूर्व कप्तान 8 गेंदों पर 5 रनों की पारी खेलने के बाद आदिल रशीद की गेंद पर आउट हो गए।

उनको लय में आना अभी बाकी है। भारतीय उपमहाद्वीप में पिचों की प्रकृति और वनडे फॉर्मेट में कोहली के शानदार रिकॉर्ड को देखते हुए माहौल विराट के अनुकूल है। उनको भी सिर्फ एक अच्छी पारी की दरकार है।कुल मिलाकर चैंपियंस ट्रॉफी से पहले भारतीय टीम का विनिंग ट्रैक पर लौटना और कप्तान रोहित का पुराने अंदाज में शतक ठोकना टीम इंडिया के लिए शुभ संकेत है।

एफआईएच प्रो लीग मैचों के लिए स्पेनिश टीमें भुवनेश्वर पहुंची

नई दिल्ली,(आरएनएस)। स्पेन की पुरुष और महिला हॉकी टीमें एक साथ सोमवार को भुवनेश्वर के बीजू पटनायक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचीं। ये टीमें भारत में एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024/25 के मैच खेलने आई हैं।

पुरुष टीम 15 और 16 फरवरी को मेजबान भारत के खिलाफ खेलेगी, फिर 19 फरवरी को इंग्लैंड से मुकाबला होगा। वहीं, महिला टीम 15 और 16 फरवरी को जर्मनी से भिड़ेगी और 19 फरवरी को भारत के खिलाफ खेलेगी।

अभी तक, दोनों स्पेनिश टीमें अपनी अंक तालिका में कमजोर स्थिति में हैं और जीत हासिल कर प्रो लीग अभियान में अपनी स्थिति सुधारना चाहती हैं। पुरुष टीम चार मैचों में सिर्फ एक जीत और एक ड्रॉ के साथ छठे स्थान पर है।

डेब्यू मैच में साउथ अफ्रीकी बल्लेबाज मैथ्यू ब्रिट्क ने तोड़ा 47 साल पुराना रिकॉर्ड

-बना डाला अबतक का सबसे बड़ा स्कोर

नईदिल्ली, (आरएनएस)। पाकिस्तान में खेली जा रही त्रिकोणिय सीरीज में गद्दाफी स्टेडियम में खेले जा रहे न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका वनडे में एक नया इतिहास रचा गया है. साउथ अफ्रीका के सलामी बल्लेबाज ने अपने डेब्यू मैच में इतने रन बना दिए हैं जितने पहले नहीं बने. ये एक रिकॉर्ड बन गया है. इस बल्लेबाज ने 47 साल पुराने वेस्टइंडीज के बल्लेबाज के रिकॉर्ड को तोड़ा है.

साउथ अफ्रीका के 26 साल के बल्लेबाज मैथ्यू ब्रिट्ज्क ने न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच से अपने वनडे करियर की शुरुआत की. वे ओपनिंग करने आए थे और ऐसी पारी खेली की 47 साल पुराना रिकॉर्ड टूट गया. मैथ्यू ने 148 गेंद में 11 चौके और 5 छक्के लगाते हुए 150 रन बनाए. वनडे में डेब्यू करते हुए क्रिकेट इतिहास की ये सबसे बड़ी पारी है.

वनडे में डेब्यू करते हुए सबसे बड़ी पारी खेलने का रिकॉर्ड अबतक वेस्टइंडीज के डेसमंड हेंस के नाम था. 22 फरवरी 1978 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इस बल्लेबाज ने 148 रन की पारी खेली थी. इसके बाद अफगानिस्तान के रहमानुल्लाह गुरबाज हैं. 21 जनवरी 2021 में आयरलैंड के खिलाफ गुरबाज ने 127 रन की पारी खेली थी.

साउथ अफ्रीका ने न्यूजीलैंड को इस मैच में जीत के लिए 305 का लक्ष्य दिया है. टॉस हारने के बाद पहले बैटिंग करने को मजबूर साउथ अफ्रीका के लिए मैथ्यू के 150 के अलावा वियान मुल्डर ने 64, जेसन स्मिथ ने 41 और कप्तान तेंबा बवुमा ने 20 रन बनाए. न्यूजीलैंड ने पिछले मैच में 330 रन बनाए थे और पाकिस्तान को 78 रन से हराया था. अगर वे 305 रन बनाकर मैच जीतने में कामयाब रहे तो त्रिकोणिय सीरीज के फाइनल में पहुंच जाएंगे.

जो रूट ने बनाया नया रिकॉर्ड, इस मामले में इयोन मोर्गन को छोड़ा पीछे, बने नंबर 1

नईदिल्ली, (आरएनएस)। भारत और इंग्लैंड के बीच खेली जा रही वनडे सीरीज में भारत ने दूसरा मैच चार विकेट से जीतकर सीरीज अपने नाम कर लिया है. भारत की तरफ से रोहित शर्मा ने शानदार शतक लगाया. इस मैच में इंग्लैंड के जो रूट ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया, जिस पर शायद ही किसी का ध्यान गया हो. उन्होंने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान इयोन मोर्गन का रिकॉर्ड तोड़ दिया और नंबर वन पर पहुंच गए है. आइए जानें रूट ने कौन सा रिकॉर्ड तोड़ा है और नंबर 1 बन गए हैं.

इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया. इंग्लैंड ने अपना पहला विकेट 81 रन पर गंवा दिया था. इसके बाद जो रूट बल्लेबाजी करने आए. उस समय इंग्लैंड के बाकी बल्लेबाज एक-एक करके आउट होते जा रहे थे, लेकिन जो रूट ने बहादुरी से खेला. रूट ने हमेशा भारतीय टीम के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया है और इस बार भी उन्होंने खुद को साबित किया.

उन्होंने 72 गेंदों पर 69 रन बनाए, जिसमें 6 चौके शामिल थे. जो रूट के अलावा बेन डकेट ने भी अच्छी पारी खेली और 65 रन बनाए. लेकिन इंग्लैंड की ओर से सबसे बड़ी पारी जो रूट की रही. उनकी पारी की बदौलत ही इंग्लैंड की टीम भारत के खिलाफ 304 रन बना पाई.

जो रूट ने इस मैच में एक नया रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया. वह इंग्लैंड की ओर से वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा बार 50+ रन की पारी खेलने वाले खिलाड़ी बन गए हैं. इससे पहले यह रिकॉर्ड इयोन मोर्गन के नाम था, जिन्होंने 55 बार 50 से ज्यादा रन बनाए थे. इस मैच से पहले रूट और मोर्गन बराबरी पर थे, लेकिन अब रूट 56 बार ये कमाल कर मोर्गन से आगे निकल गए हैं.

जो रूट को भले ही टेस्ट क्रिकेट का खिलाड़ी माना जाता हो, लेकिन उन्होंने वनडे में भी जबरदस्त खेल दिखाया है. इंग्लैंड के लिए इयान बेल ने 39 और जॉस बटलर ने 38 बार ही 50+ रन की पारी खेली है, जबकि अब जो रूट सबसे आगे निकल गए हैं.

शार्दुल ठाकुर ने गेंद से बरपाया कहर, रणजी क्वार्टफाइनल में चटकाए 6 विकेट

नईदिल्ली,(आरएनएस)। भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर इस समय घरेलू क्रिकेट में धमाकेदार प्रदर्शन कर रहे हैं। शार्दुल ठाकुर मुंबई के लिए हरियाणा के खिलाफ रणजी ट्रॉफी 2024-25 का तीसरा क्वार्टर फाइनल खेल रहे हैं और इस मुकाबले में उन्होंने हरियाणा की बल्लेबाजी की कमर तोड़ते हुए 6 विकेट अपने नाम किए।

ये शार्दुल की धाकड़ गेंदबाजी का ही असर था कि मुंबई की टीम पहली पारी के आधार पर 14 रन की बढ़त लेने में भी सफल रही। मुंबई की टीम ने पहली पारी में ऑलआउट होने से पहले 315 रन बनाए थे जिसके जवाब में हरियाणा की टीम 301 रनों पर ऑलआउट हो गई। मुंबई के लिए शानदार गेंदबाजी करते हुए शार्दुल ने 18.5 ओवर में 58 रन देते हुए 6 विकेट अपने नाम किए।

ठाकुर पिछले काफी समय से बल्ले और गेंद से अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं लेकिन भारतीय चयनकर्ता फिलहाल उनके साथ आगे बढ़ने के लिए तैयार नहीं दिख रहे हैं। शार्दुल को हाल ही में चुनी गई चैंपियंस ट्रॉफी की टीम में भी नहीं चुना गया जबकि गेंद के साथ वो जिस लय में चल रहे हैं वो भारतीय टीम के लिए एक एसेट साबित हो सकते हैं।

अगर इस मैच में शार्दुल की बल्लेबाजी की बात करें तो पहली पारी में उन्होंने 15 रन बनाए। अभी शार्दुल के पास बल्ले और गेंद के साथ एक-एक पारी है और वो चाहेंगे कि ना सिर्फ अपनी टीम की जीत में भूमिका निभाएं बल्कि खुद भी ऐसा प्रदर्शन करें कि उनके प्रदर्शन की गूंज चयनकर्ताओं तक पहुंचे। फिलहाल चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम में 11 फरवरी तक बदलाव हो सकता है लेकिन ऐसा लग नहीं रहा कि भारतीय टीम मैनेजमेंट कोई बदलाव करने के मूड में है।

गंभीर तुम राहुल के साथ ठीक नहीं कर रहे हो

केएल राहुल को बैटिंग में नीचे भेजने पर भड़के श्रीकांत

नईदिल्ली(आरएनएस)। भारतीय क्रिकेट टीम चैंपियंस ट्रॉफी से पहले इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज खेल रही है जहां उन्होंने पहले ही सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। अभी तक हुए दो मैचों में भारतीय टीम के लिए काफी कुछ अच्छा रहा है लेकिन एक बड़ी चिंता भी नजर आ रही है और वो चिंता कोई और नहीं बल्कि मध्यक्रम के मुख्य खिलाड़ी केएल राहुल का फॉर्म है।केएल राहुल को मौजूदा सीरीज में खेले गए दोनों मैचों में अक्षर पटेल से भी नीचे छठे नंबर पर भेजा गया है जहां वो बुरी तरह फ्लॉप रहे हैं। अपनी पिछली चार पारियों में राहुल ने 31, 0, 2 और 10 के स्कोर बनाए हैं। यही कारण है कि पूर्व भारतीय चयनकर्ता क्रिस श्रीकांत ने गंभीर और टीम प्रबंधन को फटकार लगाते हुए कहा है कि जो भी टीम मैनेजमेंट और गौतम गंभीर केएल राहुल के साथ कर रहे हैं वो सही नहीं है।श्रीकांत ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, मुझे केएल राहुल के लिए बहुत बुरा लग रहा है, अक्षर पटेल अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं। वो राहुल के साथ जो कर रहे हैं वो उचित नहीं है। उसका रिकॉर्ड देखें। नंबर 5 पर उनका रिकॉर्ड शानदार है और बहुत से लोग इसकी बराबरी नहीं कर सकते। मुझे नहीं पता कि टीम प्रबंधन उनके साथ क्या कर रहा है, वो उन्हें नंबर 6 पर धकेल रहे हैं, जहां वो सिर्फ छह या सात रन बना रहे हैं। ीकांत ने भारतीय कोच पर उंगली उठाते हुए कहा कि भारत नंबर 6 पर राहुल की क्षमता को 'बर्बाद' कर रहा है और यहां तक कि तर्क दिया कि भारत शीर्ष चार में बाएं-दाएं संयोजन का उपयोग क्यों नहीं करता है, लेकिन केवल नंबर 5 पर करता है।

चैम्पियंस ट्रॉफी से ही स्टार बने थे फखर, कमाई में भी पीछे नहीं

लाहौर (ए)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के बल्लेबाज फखर जमान का लक्ष्य आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन करना है। फखर का प्रदर्शन चैम्पियंस ट्रॉफी में हमेशा अच्छा रहा है। फखर ने साल 2017 में अपना अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया था। फखर ने साल 2017 के चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल मैच में शानदार बल्लेबाजी कर पाक को जीत दिलायी थी। फखर ने सात जून 2017 को एजबेस्टन में साउथ अफ्रीका के खिलाफ डेब्यू किया था। उन्होंने अपना पिछला एकदिवसीय 19 मई को इंग्लैंड के खिलाफ खेला था। फखर ने अब तक 82 वनडे मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने 46 के औसत से 3492 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 93 का रहा है. उनका उच्चतम स्कोर नाबाद 210 रन है. जो उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ बनाया था। डेब्यू के बाद ही वह चैंपियंस ट्रॉफी में शतक लगाकर छा गये। उन्होंने तब भारतीय टीम के खिलाफ 114 रन बनाकर पाक टीम को 338 के विशाल स्कोर तक पहुंचाया था। खेल के साथ ही फखर कमाई में भी पीछे नहीं हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार उनकी कुल संपत्ति 5 मिलियन डॉलर तकरीबन 43 करोड़ भारतीय रुपए के करीब है। उनकी कमाई मुख्य रुप से क्रिकेट और ब्रांड एंडोर्समेंट से होती है।

मुख्यमंत्री ने सिंगल क्लिक से जिले के 1 लाख 32 हजार किसानों को किसान कल्याण योजना की तृतीय किश्त का लाभ दिया

जिले की 2 लाख 11 हजार 301 लाडली बहनों को 25 करोड़ 69 लाख रुपए की राशि का हितलाभ प्रदान किया
जिला स्तरीय कार्यक्रम जनपद पंचायत नर्मदापुरम एवं ग्राम पंचायत सभागार में संपन्न

नर्मदापुरम (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने आज सोनकच्छ, जिला देवास से सिंगल क्लिक से मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना, लाडली बहना योजना एवं सामाजिक सुरक्षा पेंशन के हितग्राहियों को हितलाभ अंतरण किया। प्रदेश की 1.27 करोड़ लाड़ली बहनों को 1553 करोड़ रुपए का हितलाभ प्रदान किया। 56 लाख सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों को 337 करोड़ रुपए का हितलाभ प्रदान किया एवं 81 लाख किसानों को किसान कल्याण योजना में 1624 करोड़ रुपए की राशि का सिंगल क्लिक से हितलाभ प्रदान किया। कार्यक्रम का प्रसारण जिला स्तर सहित जिले की सभी ग्राम पंचायत में किया गया। जहां पर हितग्राहियों ने कार्यक्रम को देखा और सुना।मुख्यमंत्री ने सिंगल क्लिक से नर्मदापुरम जिले के लगभग 1 लाख 32 हजार किसानों को किसान कल्याण योजना की तृतीय किश्त का हितलाभ प्रदान किया। मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना अंतर्गत 2 लाख 11 हजार 301 लाडली बहनों को 25 करोड़ 69 लाख रुपए की राशि का हितलाभ प्रदान किया। कार्यक्रम के दौरान नर्मदापुरम के विधायक डॉ सीतासरन शर्मा, कलेक्टर सोनिया मीना, मध्यप्रदेश तैराकी संघ के अध्यक्ष पियुष शर्मा, जनपद पंचायत नर्मदापुरम अध्यक्ष भूपेन्द्र चौकसे, महेंद्र यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी, बड़ी संख्या में हितग्राही, मौजूद थे।

संत शिरोमणी श्रीरामजी बाबा मेले का उद्घाटन आज

समाधि स्थल पर सुबह 9 बजे होगी पूजन, शाम को होगा उद्घाटन समारोह

नर्मदापुरम् (निप्र)। पूर्व वर्षों की परंपरानुसार इस वर्ष भी नर्मदापुरम संभाग मुख्यालय पर नर्मदांचल के महान संत शिरोमणी श्री रामजी बाबा मेले का आज विधिवत उद्घाटन किया जाएगा। मंगलवार को सुबह 9 बजे बाबा की समाधि स्थल पर पूजन अर्चन की जाएगी। मेले का आयोजन 11 फरवरी से 24 फरवरी तक होगा। मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले ने बताया कि मंगलवार को शाम 7 बजे श्री रामजीबाबा मेला ग्राउंड नर्मदापुरम में मेले का उद्घाटन अतिथिगणों द्वारा किया जाएगा। उद्घाटन समारोह के मुख्यातिथि आचार्य पं सोमेश परसाई, विशिष्ट अतिथि सांसद दर्शनसिंह चौधरी, राज्यसभा सांसद माया नारोलिया, विधायक डॉ सीताशरण शर्मा, समाधि के महंत वृंदावनदास, महंत मुरारीदास, मप्र तैराकी संघ के अध्यक्ष पीयूष शर्मा, जनपद पंचायत अध्यक्ष भूपेंद्र चौकसे, विधायक प्रतिनिधि महेंद्र यादव की गरिमामयी उपस्थिति में होगा।

नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव और मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटलेए राजस्व सभापति निर्मला हंस राय, नपा उपाध्यक्ष अभय वर्मा सहित सभी सभापति गण, पार्षगणों द्वारा नगर सहित जिले के श्रद्धालुओं को आयोजित संत शिरोमणी श्री रामजीबाबा मेले में सादर आमंत्रित किया गया है।

नर्मदापुरम निवासी नोएल सी. चेरीयन का 2025 विंटर एशियन गेम्स में चयन

हारबिन, चीन में होगा खेल आयोजन

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले के निवासी नोएल सी. चेरीयन का चयन 2025 विंटर एशियन गेम्स के लिए आईस स्केटिंग में हुआ है। यह

खेल महोत्सव हारबिन, चीन में आयोजित किया जाएगा। नोएल के चयन से न केवल जिले बल्कि पूरे प्रदेश में खुशी की लहर है। यह उनका कठिन परिश्रम और समर्पण का परिणाम है।नोएल सी. चेरीयन ने आईस स्केटिंग में अपनी विशेष पहचान बनाई है और इस खेल में उनके चयन ने उन्हें एशियाई मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान किया है। हारबिन, चीन में आयोजित होने वाले इस प्रतिष्ठित खेल आयोजन में नोएल अपनी टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे और अपनी उत्कृष्टता का प्रदर्शन करेंगे। उनके इस चयन से नर्मदापुरम जिले के युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा मिलती है कि कठिन मेहनत और समर्पण से कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। कलेक्टर सोनिया मीना ने नोएल को उनकी इस उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं दी, और उनकी सफलता की कामना की है।

युवा संगम रोजगार एवं स्वरोजगार मेला का आयोजन 13 फरवरी को

नर्मदापुरम (निप्र)। जिला प्रशासन एवं जिला रोजगार कार्यालय नर्मदापुरम द्वारा युवा संगम रोजगार एवं स्वरोजगार मेला का आयोजन 13 फरवरी को किया जाएगा। कलेक्टर के निर्देश अनुसार 13 को स जनपद पंचायत नर्मदापुरम में रोजगार एंव स्वरोजगार मेला आयोजित किया जा रहा है जिसमें रोजगार एवं स्वरोजगार मेला में छात्र एवं छात्राओं को निजि क्षेत्र में रोजगार एवं स्वरोजगार हितधारकों के लिये स्टॉल लगाये जायेंगे एवं रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर प्रदान किये जा रहे हैं एवं इच्छुक युवक एवं युवतियां लिंक पर पंजियन कर सकते हैं।

जिला रोजगार कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार

रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने वाले विभागों के अंतर्गत जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, खादी ग्रामोद्योग बोर्ड परियोजना अधिकरी नगरीय विकास एवं आवास विभाग उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवयें पशु पालन विभाग, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग नर्मदापुरन, पवारखेड़ा सहायक कृषि यंत्री कृषि अभियंत्रिकी विभाग, सहायक संचालक मछुआ कल्याण तथा कृषि विकास विभाग सहायक संचालक मध्यप्रदेश पिछडा वर्ग तथा अल्प संख्या कल्याण विभाग प्रबंधक राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन उपसंचालक उद्यानिक विभाग प्रबंधक कुटीर ग्रामोद्योग।

रोजगार एवं के अवसर उपलब्ध कराने वाली कंपनियां

नाहर मंडीदी वर्धमान यार्न मंडीदीप मदरसन कमनी गुजरात बी.एस.डब्ल्यू फार्मास्यूटिकल्स इंदौर सम्हिता पी.एस.टी. इन्डस्ट्रीए यशस्वी ऐकैडमी भोपाल भारत फाईनेंशियल इनक्लूजन भवकिसान बायोटेक प्रथम एजुकेशन भोपाल कौशल विकास केंद्र जबलपुर भारतीय जीवन बीमा पुखराज सिक्योरिटी आई.सी.आई.सी.आई बैंक भास्कर प्राइवेट लिमिटेड मंडीदीपद ऐक्सिस बैंक एच.डी.एफ.सी लाईफ काल्टिंग एण्ड डिजाइन टाटा लाईफ इंशोरेंस न्यूयुक्ती मेनेजमेंट भोपाल, एम.आई सी आदि अनेक कंपनियां शामिल हैं।

बहाल योग्य निलंबित कर्मचारियों के प्रकरणों की जांच करें, न्याय संगत है तो बहाल करें

आगामी पर्व एवं त्योहार के दृष्टिगत जिलों में कानून व्यवस्था की स्थिति चाक चौबंद रहे
आरआई व पटवारी की ग्राम में उपस्थित की मॉनिटरिंग सार्थक ऐप से हो

नर्मदापुरम (निप्र) । किसी जिले में यदि कोई कर्मचारी लंबे समय से निलंबित है तो ऐसे कर्मचारी के प्रकरण की जांच यथा शीघ्र करते हुए यदि न्याय संगत है तो ऐसे कर्मचारियों की बहाली सुनिश्चित की जाए। उक्त निर्देश नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी ने सोमवार को आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में हरदा बैतूल एवं नर्मदापुरम कलेक्टर्स को दिए। कमिश्नर श्री तिवारी ने सभी कलेक्टर्स को निर्देश दिए की लघु शास्ती के अधिकार सभी कलेक्टर्स का प्राप्त है अत: निलंबन से पहले कर्मचारियों को नोटिस देते हुए कर्मचारियों को अपने समकक्ष में बुलाकर भी एक बार अवश्य सुना जाए। निलंबित करने में अनावश्यक तेजी न दिखाई जाए। यदि कर्मचारियों को निलंबित करना अनिवार्य ही हो जाता है तो निलंबित ऐसे कर्मचारियों की शीघ्र ही जांच कर कर उसका रिव्यू कर यदि वह बहाली योग्य है तो उसे तत्काल बहाल किया जाए। कमिश्नर ने कहा कि प्राय: यह भी देखा जा रहा है कि कर्मचारियों को अनावश्यक रूप से सेवा से पृथक कर दिया जाता है। कमिश्नर ने निर्देश दिए की सेवा से पृथक करने से पूर्व कर्मचारियों की सभी जांच न्यायसंगत तरीके से की जाए और यदि अनिवार्य हो जाए तभी कर्मचारियों को सेवा से पृथक किया जाए।

आर आई, पटवारियों की ग्राम में उपस्थित की मॉनिटरिंग सार्थक ऐप से

कमिश्नर श्री तिवारी ने सभी कलेक्टर्स को निर्देश दिए की वह अपने-अपने जिले के राजस्व निरीक्षक एवं पटवारियों का ग्राम मुख्यालय में दिन फिक्स करते हुए सभी राजस्व निरीक्षक एवं पटवारी की ग्राम में उपस्थित सुनिश्चित की जाए और राजस्व निरीक्षक एवं पटवारी की उपस्थिति की मॉनिटरिंग अनिवार्य रूप से सार्थक ऐप से की जाए। कमिश्नर ने निर्देश दिए की सभी तहसीलदार के पास पटवारी एवं राजस्व निरीक्षक की ग्राम में उपस्थिति की तिथि एवं दिन का चार्ट अनिवार्य रूप से होना चाहिए।आगामी पर्व एवं त्योहारों के दृष्टिगत जिलों में कानून व्यवस्था की स्थिति चाक चौबंद रहे

कमिश्नर श्री तिवारी ने सभी कलेक्टर को निर्देश दिए की फरवरी एवं मार्च माह में आने वाले पर्व एवं त्यौहार को दृष्टिगत रखते हुए नर्मदापुरम संभाग के सभी जिलों में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति चाक चौबंद रहे। कमिश्नर ने कहा कि कानून व शांति व्यवस्था की स्थिति बनाए रखना हमारी पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। बताया गया कि हरदा में आगामी दिनों में पंच क्रोशी यात्रा एवं शिवरात्रि का पर्व, बैतूल में एक महत्वपूर्ण मेला, शिवाजी जयंती शबे बरात तथा नर्मदापुरम में राम जी बाबा मेला, चौरागढ़ एवं तिलक सिंदूर में शिवरात्रि का मेला आयोजित किया जाएगा। कमिश्नर ने निर्देश दिए की सभी मेलों में भी पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

जिला शिक्षा अधिकारी और डीपीसी करें स्कूलों का निरीक्षण

कमिश्नर श्री तिवारी ने निर्देश दिए की जिला शिक्षा अधिकारी एवं डीपीसी निरंतर स्कूलों का निरीक्षण करें। अभिप्राय यह देखने में आ रहा है कि उक्त अधिकारीगण निरीक्षण पर्याप्त मात्रा में ना करके कार्यालय में ही ज्यादा समय व्यतीत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीआरसी एवं बीईओ भी स्कूलों का निरीक्षण करें। निरीक्षण करने से स्कूलों में एवं स्कूलों में व्याप्त व्यवस्था में पर्याप्त सुधार होता है।

सभी कलेक्टर्स जेल व अधीनस्थ कार्यालयों का निरीक्षण करें

नर्मदापुरम संभाग आयुक्त कृष्ण गोपाल तिवारी ने सभी कलेक्टर को निर्देश दिए कि वह भी क्षेत्र में भ्रमण करना सुनिश्चित करें एवं अधीनस्थ कार्यालय का निरीक्षण करें। कमिश्नर ने निर्देश दिए की निरीक्षण के दौरान कलेक्टर सभी चीजों का बारीकी से अध्ययन करें। कमिश्नर ने निर्देश दिए की सभी कलेक्टर्स जेल का भी निरीक्षण करना सुनिश्चित करें तथा गांव में चौपाल लगाकर रात्रि विश्राम भी करें।

ई ऑफिस प्रणाली लागू किए जाने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें सभी जिलाधिकारी : कलेक्टर

नर्मदापुरम (निप्र) ।सभी अधिकारी शासन द्वारा चलाई जा रही सभी हितग्राही मूलक योजनाओं को संवेदनशीलता से क्रियान्वित करें। बोर्ड परीक्षाओं की सभी आवश्यक तैयारियां पूरी की जाए। राम जी बाबा मेले में दुकानों एवं झूलों का संचालन सुरक्षा मानदंडों के अनुसार ही किया जाए। दुकानों एवं झूलों का फायर इलेक्ट्रिकल एवं सेफ्टी सर्टिफिकेट जारी करें संबंधित अधिकारी। अतिक्रमण के विरुद्ध व्यापक कार्यवाही सुनिश्चित कर अवैध अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई कर राजस्व एवं नगरपालिका अमला। उक्त निर्देश सोमवार को आयोजित समय सीमा की बैठक के दौरान कलेक्टर सोनिया मीना ने बैठक के दौरान उपस्थित संबंधित अधिकारियों को दिए। इस दौरान उन्होंने योजनाओं की प्रगति, सीएम हेल्पलाइन शिकायतों, विभागीय कार्य योजनाओं आदि की विस्तार से समीक्षा की।शासकीय गौशालाओं की चरनोई भूमि से अवैध कब्जा हटाए जाने की कार्यवाही प्राथमिकता से संपन्न की जाए। कलेक्टर ने सभी जनपद सीईओ को निर्देशित किया है कि कब्जा हटाने के उपरांत उक्त भूमियो पर फेंसिंग कार्य करवाते हुए भूमियों को सुरक्षित किया जाना सुनिश्चित करें जिससे कि भविष्य में इस प्रकार की स्थिति उत्पन्न ना हो।कलेक्टर ने समय सीमा की बैठक के दौरान सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों की समीक्षा करते हुए समस्त जिलाधिकारी को निर्देशित किया कि 50 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों का सूक्ष्मता से अवलोकन करें जिससे शिकायतों के स्वरूप को समझा जा सके। उन्होंने कहा कि कोई भी अधिकारी अपने अधीनस्थ कर्मचारियों के जवाब पर निर्भर ना रहे, प्रत्येक शिकायतों का गंभीरता पूर्वक अवलोकन करने के बाद ही जवाब दर्ज करें।

बाल विवाह के सामाजिक दुष्प्रभाव,विधिक जागरूकता कारण एवं निवारण पर हुई संगोष्ठी

नर्मदापुरम (निप्र)। शासकीय कन्या महाविद्यालय सिवनी मालवा में शासन के निर्देशानुसार समाजशास्त्र विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संयुक्त तत्वाधान में बाल विवाह के सामाजिक दुष्प्रभाव,विधिक जागरूकता कारण एवं निवारण पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.उमेश कुमार धुर्वे ने की। इस कार्यक्रम में बाल विवाह एक सामाजिक अभिशाप विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित प्रो.एस.के अग्रवाल शासकीय कुसुम स्नातकोत्तर महाविद्यालय ने अपने विचार प्रस्तुति करते हुए उन्होंने बताया कि यूनिसेफ और यूएनएफपीए ने'ग्लोबल प्रोग्राम टू एक्सीलरेट एक्शन टू एण्ड चाइल्ड मैरिज'के तहत हाथ मिलाया है,जहां पहली बार स्वास्थ्य शिक्षा,बाल संरक्षण,पोषण एवं जल व साफ-सफाई पर मौजूदा योजनाओं को एक सिरे में बांधकर बाल विवाह की समस्या को सर्वांगीण रूप से खत्म करने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही कन्या भ्रूण हत्या की रोकथाम को जरूरी बताया।

ब्राह्मण महाकुंभ को लेकर बैठक सम्पन्न हुई, जिसमें पद अधिकारी नियुक्त किए

9 मार्च के आयोजन में हनुमान चालीसा एवं परशुराम चालीस होगी

नर्मदापुरम (निप्र)। सर्व विप्र महासभा के द्वारा 9 मार्च के ब्राह्मण महाकुंभ परिचय सम्मेलन के विषय में वरिष्ठ समाजसेवी संरक्षक आलोक शर्मा की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न हुई उक्त कार्यक्रम में स्वागत अभिनंदन में विप्र समाज के प्रदेश अध्यक्ष मुकेश दुबे ने आयोजन की विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए बताया कि 9 मार्च को कार्यक्रम में हनुमान एपरशुराम चालीसा का पाठ का भव्य आयोजन से शुरुवात की जाएगी। महिला नगर अध्यक्ष श्रीमती संगीता मुदग़ल ने बताया कि नर्मदापुरम में आयोजित विप्र समाज के कार्यक्रम में पूरे शहर में चौक चौराहे पर पीले रंग के झंडे एवं नारंगी तोरन से सजाए जायेगा आज सभी विप्र जन से सुझाव लिए प्रदेश अध्यक्ष मुकेश दुबे के द्वारा संगठन का विस्तार किया जिसमें युवा प्रकोष्ठ में संभागीय महा सचिव शिवांक रावतएजिला अध्यक्ष यश शर्माएमहिला में रेखा दुबे नगर उपाध्यक्षए निर्मला डाले नगर मंत्रीएरेखा उपाध्याय सह सचिवए उपमा शुक्ला सह संयोजक की नियुक्ति की गई वही वरिष्ठ समाजसेवी सुंदर शर्मा ने अपने विचार व्यक्त करते प्रस्ताव रखा कि पूरे शहर में एस पी एम से लेकर पूरे नगर में जहां भी फ्लेक्स के कटाउठ लग रहे है उसमें श्रेत्र के हिसाब से फोटो लगना चाहिए जिसे संगठन ने स्वीकार कर सहमति दी युवा प्रकोष्ठ के प्रियंक दुबे ने विप्र समाज के नगर में एक बहुत बड़ी संख्य है हर घर नहीं जा सकता है तो पेपरों में पंपलेट के माध्यम से विप्र परिवार को कार्यक्रम में आमंत्रित किया जाए बैठक में अमित दीवान की आत्महत्या के विषय में ब्राह्मण समाज में भरी आक्रोश था सभी के सुझाव थे कि अगर प्रशासन द्वारा कार्यवाही नहीं हुई तो धरना प्रदर्शन भी करना चाहिए सभी ने स्वीकृति दी जिसकी रूप रेखा अतिशीघ बनाई जाएगी बैठक में व्ही एपी दुबे शैलेन्द्र तिवारी रामगोपाल चौबेए संजय तिवारीएसंजय उपाध्यायए राजीव शुक्ला रत्नेश दुबे प्रवीण शुक्ला राधेश्वम दुबे दिनेश चौबे प्रदीप चौबे राकेश दुबे नंदा तिवारी रेखा दुबे सीमा तिवारी प्राची शुक्ला रुचि शुक्ला अंजू शुक्ला सीमा दुबे रेखा शुक्ला मंजू तिवारी सविता दीवान संध्या उपाध्याय मीना चौबे उपस्थित हुए।

खुशियों की दास्तां

उद्यानिकी विभाग की योजनाओं का लाभ लेकर सुधीर वर्मा बने सफल कृषक

गुलाब की खेती से कर रहे लाखों की आय अर्जित,

नर्मदापुरम (निप्र)। सुधीर वर्मा, ग्राम-तीखड़, विकासखण्ड केसला निवासी, जिन्होंने पारंपरिक खेती से अपना जीवन यापन किया, आज अपने साहस और मेहनत के बल पर गुलाब की खेती से लाखों की आय और संपत्ति अर्जित करने में सफल हुए हैं। पहले गेहूं और सोयाबीन की खेती से

शुद्ध लाभ 35,000/- रुपये प्रति एकड़ था, लेकिन अब गुलाब की खेती के माध्यम से उन्होंने अपनी आय और संपत्ति में बेतहाशा वृद्धि की है।सुधीर वर्मा ने उद्यानिकी विभाग से जुड़कर विभाग द्वारा संचालित योजनाओं से प्राप्त मार्गदर्शन एवं अनुदान से फल, फूल और सब्जियों की खेती की जानकारी प्राप्त की और इसके बाद उन्हें गुलाब की खेती में रुचि पैदा हुई।

इसके बाद, उन्होंने विभाग की सहायता से "IIHT" नोएडा दिल्ली और सीमेप लखनऊ से प्रशिक्षण प्राप्त किया। शुरुआती दौर में 1 एकड़ में देशी गुलाब की खेती की शुरुआत की, जिसे उद्यानिकी विभाग से प्राप्त पौधों से रोपित किया।अब सुधीर वर्मा 7 एकड़ में गुलाब की खेती कर रहे हैं, जिसमें प्रति एकड़ लागत लगभग 1.30 लाख रुपये आती है और वार्षिक आय 3.80 लाख रुपये प्रति एकड़ होती है।

संभागीय संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास नर्मदापुरम संभाग नर्मदापुरम एच0के0शर्मा द्वारा किया गया आंगनबाडी केन्द्रों का निरीक्षण

नर्मदापुरम (निप्र)। संभागीय संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास नर्मदापुरम संभाग नर्मदापुरम एच0के0शर्मा, द्वारा सोमवार को जिला नर्मदापुरम अंतर्गत् महिला एवं बाल विकास परियोजना-नर्मदापुरम शहरी अंतर्गत संचालित 04 आंगनबाड़ी केन्द्र कमश: वार्ड कं0-09(2), वार्ड कं0-28(3), वार्ड कं0-28 (1) एवं वार्ड कं0-14(1) का औचक भ्रमण किया गया।आंगनवाडी केन्द्र में माह जनवरी-2025 में आयोजित हुये शारीरिक माप वजन अभियान के ऑकड़ों का विश्लेषण कर अवलोकन किया गया। साथ ही दिनांक 11.02.2025 से आयोजित होने वाले वजन अभियान अंतर्गत् बच्चों का सही-सही शरीरिक माप लेने तथा शुद्ध व सटीक ऑकड़े पोषण ट्रेकर एप में दर्ज करने हेतु निर्देश दिये गये। कुपोषित बच्चों पर विशेष निगरानी रखने, आवश्यक उपचार कराने, स्वास्थ्य विभाग से समन्वय कर आवश्यक 5 प्रकार की दवाईयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा SAM बच्चों को पोषण पुनर्वास केन्द्र में भर्ती करने हेतु निर्देश दिये गये।आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को नियमित रूप से निर्धारित समय पर आंगनबाड़ी केन्द्र खोलने, आंगनवाडी केन्द्र पर बच्चों की शत प्रतिशत उपस्थिति, आंगनबाड़ी केन्द्र की साफ-सफाई रखने, नियमित गृह भेंट करने

एवं बच्चों को निर्धारित मीनू अनुसार समय पर गर्न ताजा पका नाश्ता/भोजन प्रदाय करने, आंगनबाडी केन्द्र में टीएचआर की उपलब्धता सुनिश्चित कराने, केन्द्र में बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने तथा समस्त पात्र हितग्राहियों को आईसीडीएस एवं विभागीय योजनाओं से लाभांवित करने एवं संपर्क एप में प्रतिदिन उपस्थिति दर्ज करने हेतु निर्देशित किया गया। कार्यस्थल/आंगनबाड़ी केन्द्रों में सरल शब्दों में नैतिकता, सदाचार आदि से संबंधित अच्छे अच्छे स्लोगन का लेखन करने, व्यवहार परिवर्तन के विषय पर प्रशिक्षण, अधीनस्थों से अच्छा व्यवहार करने, बाहर से आने वाले आगंतुकों के लिये पानी एवं बैठने की आवश्यक व्यवस्था, श्रेष्ठ कार्य करने वाले कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने, दिनांक 01 जुलाई 2024 से लागू 03 नये कानूनो के संबंध में जानकारी प्रदान कर आवश्यक निर्देश दिये गये। 9 से 14 वर्ष की किशोरी बालिकाओं में सर्वाइकल कैंसर एवं उसके निदान के संबंध में लगाये जाने वाले टीके तथा उसके प्रचार-प्रसार करने तथा विभागीय फ्लेगशिप योजनाओं में निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप समस्त पात्र हितग्राहियों को लाभांवित करने के निर्देश दिये गये। आंगनबाडी कार्यकर्ता को निर्देश दिये गये कि क्षेत्र का गहन सर्वे कर लाडली लक्ष्मी योजना एवं प्रधानमंत्री मातृ वंदना का लाभ लेने हेतु आवश्यक दस्तावेजों यथा- समग्र आईडी, आधार, डीबीटी, बैंक से लिंकेज आदि के संदर्भ में हितग्राहियों को मार्गदर्शन एवं सहयोग करते रहें। वित्तीय वर्ष समाप्ति की ओर है, कोई भी पात्र हितग्राही वंचित न रहे, ऐसा सुनिश्चित करें।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा "शिवरानी भवन", क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com